संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025
RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 69 गुरूवार 09 जनवरी 2025 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

महत्वपूर्ण खबर

के.ए. पॉल ने देश में बढ़ते भ्रष्टाचार को लेकर सीबीआई से की जांच की मांग

नई दिल्ली,08 जनवरी,2025 (ए)। प्रसिद्ध मानवतावादी और शांति दूत डॉ. के.ए. पॉल ने आज दिल्ली के आंध्र भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की, जिसमें उन्होंने आंध्र प्रदेश में हो रहे भ्रष्टाचार और इसके भारत की अर्थव्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय छवि पर पड़ने वाले प्रभावों पर गहरी चिंता जताई। इस दौरान, डॉ. पॉल ने सीबीआई के निदेशक श्री प्रवीण सूद को पत्र लिखने का जिक्र किया। उन्होंने आंध्र प्रदेश के कुछ प्रमुख नेताओं, जैसे श्री गौतम अडानी, श्री वाई. जगन मोहन रेड्डी, श्री एन. चंद्रबाबू नायडू और श्री पवन कल्याण के खिलाफ तत्काल और विस्तृत जांच की मांग की है।

वी नारायणन होंगे इसरो के नए चीफः

रॉकेट और स्पेसक्राफ्ट के माने जाते हैं एक्सपर्ट

नई दिल्ली,08 जनवरी,2025 (ए)। वी नारायण को इसरो का नया चेयरमैन नियुक्त किया है। इसके साथ ही उन्हें अंतरिक्ष विभाग का सचिव भी बनाया गया है। नारायणन 14 जनवरी को एस सोमनाथ की जगह लेंगे। उनका कार्यकाल दो साल का होगा। नारायणन फिलहाल लिक्विड प्रोपल्शन सिस्टम सेंटर,वलियमला के डायरेक्टर के तौर पर सेवाएं दे रहे हैं। नारायणन को रॉकेट और स्पेसक्राफ्ट टेक्नोलॉजी में एक्सपर्ट माना जाता है।

पार्टियों द्वारा मुफ्त में पैसा देने के वादे पर मामला गर्म

» दिल्ली चुनाव में पार्टियां मुफ्त में पैसा देने का वादा कर रही

» सुप्रीम कोर्ट ने सरकारों की क्यों लगाई क्लास?

नई दिल्ली,08 जनवरी,2025 (ए)। आप सबने खूब सुना होगा कि दिल्ली में बहुत सारी चीजें फ्री हैं। बिजली, पानी, शिक्षा के साथ अब हर महीने फ्री में पैसे देने का कल्चर देश में बढ़ रहा है। यह सिर्फ एक राज्य का हाल नहीं है, देश में कई राज्यों ने अपने यहां फ्री कल्चर बना रखा है जिसका उन्हें चुनाव में फायदा भी होता है। दिल्ली चुनावों का बिगुल बज चुका है। अब इन्हीं रेवड़ी कल्चर पर सुप्रीम कोर्ट ने तंज कसा है। आखिर सुप्रीम कोर्ट ने ऐसा क्यों किया।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्यों के पास उन लोगों को 'मुफ्त सौगात' देने के लिए पर्याप्त धन है जो कोई काम नहीं करते लेकिन जब जिला न्यायपालिका के न्यायाधीशों को वेतन और पेंशन देने की बात आती है तो वे वित्तीय बाधाओं की बात करते हैं. न्यायमूर्ति बी.आर. गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने यह मौखिक टिप्पणी उस समय की, जब अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणि ने दलील दी कि सरकार को न्यायिक अधिकारियों के वेतन और सेवानिवृत्ति लाभों पर निर्णय लेते समय वित्तीय बाधाओं पर विचार करना होगा।

जो काम नहीं करते,उनके लिए पैसा,फिर जजों के लिए क्यों नहीं?

पीठ ने टिप्पणी की, ''राज्य के पास उन लोगों के लिए पैसा है जो कोई काम नहीं करते. चुनाव आते हैं, आप लाडली बहना और अन्य नयी योजनाएं घोषित करते हैं, जिसके तहत आप निश्चित राशि का भुगतान करते हैं. दिल्ली में अब आए दिन कोई न कोई पार्टी घोषणा कर रही है कि वे सत्ता में आने पर 2,500 रुपये देंगे।

किस मामले में कोर्ट ने की ये टिप्पणी?

शीर्ष अदालत ने सेवानिवृत्त न्यायाधीशों को पेंशन के संबंध में अखिल भारतीय न्यायाधीश संघ द्वारा 2015 में दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की। वेंकटरमणि ने कहा कि वित्तीय बोझ की वास्तविक चिंताओं को ध्यान में रखा जाना चाहिए।. शीर्ष अदालत ने पहले कहा था कि यह ''दयनीय'' है कि उच्च न्यायालय के कुछ सेवानिवृत्त न्यायाधीशों को 10,000 रुपये से 15,000 रुपये के बीच पेंशन मिल रही है।

दिल्ली चुनाव में आप और कांग्रेस ने किया है फ्री में पैसे देने का ऐलान

सुप्रीम कोर्ट की ये टिप्पणी उस समय आई है, जब दिल्ली में चुनाव से पहले कुछ राजनीतिक पार्टियों ने सत्ता में आने पर महिलाओं को रुपये देने का वादा किया है. आम आदमी पार्टी ने महिला सम्मान योजना के तहत दिल्ली की महिलाओं को हर महीने 2100 रुपये देने का ऐलान किया है. वहीं कांग्रेस ने महिलाओं को प्यारी दीदी योजना के तहत हर महीने 2500 रुपये देने का वादा किया है. चुनाव आयोग ने दिल्ली विधानसभा चुनावों की तारीखों का ऐलान किया है।

झुग्गी तोड़े जाने पर अरविंद केजरीवाल का बीजेपी पर हमला

» कहा...गाली गलौज पार्टी वालों,भगवान तुम्हें..इसकी सज़ा ज़रूर देगा...

नई दिल्ली,08 जनवरी,2025 (ए)। दिल्ली विधानसभा चुनाव की तारीख घोषित होने के साथ ही राज्य में सियासत तेज हो गई है। बुधवार (8 जनवरी) को दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने बीजेपी पर झुग्गियां तोड़ने का आरोप लगाया, अब पूर्व मुख्यमंत्री और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बीजेपी को इस मुद्दे पर घेरा है।

अरविंद केजरीवाल ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा, एक तरफ़ झुग्गियों में जाकर सोते हैं, उनके बच्चों के साथ कैरम खेलने की नौटंकी करते हैं, उनका खाना खाते हैं और अगले कुछ दिन बाद ही उन ग़रीबों की झुग्गी तोड़कर उनके छोटे छोटे बच्चों को इतनी ठंड में सड़क पर फेंक देते हैं। गाली गलौज पार्टी वालों, भगवान तुम्हें इसकी सज़ा ज़रूर देगा।

मुख्यमंत्रीआतिशी ने भी साधा निशाना

मुख्यमंत्री आतिशी ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा, कड़कड़ाती हुई ठंड में, भाजपा की केंद्र सरकार ने, नरेला में झुग्गियां तोड़ दीं। महिलाएं और बच्चे सड़क पर आ गए हैं। भाजपा वाले झुग्गीवासियों से इतनी नफ़रत क्यों करते हैं? थोड़ी देर में नरेला जा रही हूं. इन झुग्गीवासियों से मिलूंगी। इनकी हर संभव मदद करेंगे।

क्या मानसिक रूप से कमजोर महिला को मां बनने का अधिकार नहीं?

मुंबई,08 जनवरी,2025 (ए)। मुंबई हाई कोर्ट ने सवाल किया कि क्या मानसिक रूप से कमजोर महिला को मां बनने का कोई अधिकार नहीं है? जस्टिस आर वी घुगे और जस्टिस राजेश पाटिल की पीठ 27 वर्षीय महिला के पिता द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें इस आधार पर 21 सप्ताह के उसके भ्रूण को चिकित्सकीय रूप से समाप्त करने की अनुमति मांगी गई है कि वह मानसिक रूप से अस्वस्थ और अविवाहित है। व्यक्ति ने अपनी याचिका में कहा कि उसकी बेटी गर्भ को कायम रखना चाहती है। पीठ ने पिछले सप्ताह निर्देश दिया था कि महिला की जांच मुंबई के सरकारी जे जे अस्पताल में एक मेडिकल बोर्ड द्वारा की जाए. बुधवार को मेडिकल बोर्ड द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट के अनुसार महिला मानसिक रूप से अस्वस्थ या बीमार नहीं है, बल्कि उसे 75 प्रतिशत आईक्यू के साथ सीमांत बौद्धिक विकार का सामना करना पड़ा है।

पीठ ने कहा कि महिला के अभिभावक ने उसे किसी भी प्रकार का मनोवैज्ञानिक परामर्श या उपचार मुहैया नहीं कराया, बल्कि 2011 से उसे केवल दवा पर रखा। मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट में कहा गया है कि भ्रूण में कोई विसंगति नहीं है और महिला गर्भावस्था जारी रखने के लिए चिकित्सकीय रूप से फिट है. हालांकि रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भ्रूण को गिराया जा सकता है।अतिरिक्त सरकारी वकील प्राची टाटके ने अदालत को बताया कि ऐसे मामलों में गर्भवती महिला की सहमति सबसे महत्वपूर्ण होती है।

घरेलू हिंसा मामले में जमानती वारंट जारी करना अनुचित

» सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया ये फैसला

» सुप्रीम कोर्ट ने घरेलू हिंसा अधिनियम पर जमानती वारंट की आलोचना की

» अदालत ने कहा, जमानती वारंट जारी करने का कोई औचित्य नहीं

» मामला लुधियाना, ट्रांसफर करने का निर्देश दिया गया

नई दिल्ली,08 जनवरी,2025 (ए)। सुप्रीम कोर्ट ने घरेलू हिंसा अधिनियम (डीवी एक्ट), 2005 के तहत जमानती वारंट जारी करने पर नाराजगी जताई है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि डीवी एक्ट के तहत मामलों में अदालत ने कहा कि डीवी अधिनियम के तहत मामलों में जमानती वारंट जारी करने का कोई औचित्य नहीं है, क्योंकि ये अर्ध-आपराधिक प्रकृति के होते हैं। अदालत ने कहा कि जब तक प्रोटेक्शन आदेश का उल्लंघन न हो तब तक इनके कारण कोई दंडात्मक प्रभाव नहीं पड़ता ऐसे में जमानती वारंट जारी करने का कोई औचित्य नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने घरेलू हिंसा से महिलाओं के लिए बनाए गए डीवी एक्ट के तहत मामले में मजिस्ट्रेट द्वारा जमानती वारंट जारी करने की आलोचना की। शीर्ष अदालत ने कहा कि वह इस बात को कहने के लिए विवश है कि डीवी अधिनियम के प्रावधानों के तहत दायर एक आवेदन में ट्रायल कोर्ट द्वारा जमानती वारंट जारी करने का कोई औचित्य नहीं था। ऐसे में मजिस्ट्रेट द्वारा याचिकाकर्ता के खिलाफ जमानती वारंट जारी करना पूरी तरह से अनुचित था।

सुनवाई के दौरान याची के वकील ने कोर्ट को बताया कि उनके मुवक्किल के खिलाफ जमानती वारंट जारी कर दिया गया है। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि याचिकाकर्ता के पास एक विशेष रूप से सक्षम (सुनने की क्षमता में बाधित) नाबालिग पुत्र है। वह बेरोजगार है और अपनी जीविका के लिए पूरी तरह अपने पिता पर निर्भर है। यह भी बताया गया कि निचली अदालत ने याचिकाकर्ता के खिलाफ जमानती वारंट जारी किया है। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता के खिलाफ जारी जमानती वारंट को अनुचित ठहराया।

कांग्रेस नेता सज्जन कुमार की बढेंगी मुश्किलें

21 जनवरी को कोर्ट सुनाएगा फैसला

नई दिल्ली,08 जनवरी,2025 (ए)। दिल्ली सिंख दंगो मामले में कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार की मुश्किलें बढ़ जाएंगी। 21 जनवरी को दिल्ली की एक अदालत 1984 दंगों में कांग्रेस नेता के खिलाफ हत्या के मामले में फैसला सुना सकती है। विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा को बुधवार को आदेश पारित करना था, जो दंगों के दौरान सरस्वती विहार इलाके में 2 लोगों की कथित हत्या से संबंधित था, लेकिन न्यायाधीश ने कहा, सुनवाई की 'अगली तारीख 21 जनवरी तय की जाती है।'

एक देश-एक चुनाव मामले में संसदीय समिति की बैठक में भाजपा सदस्यों ने समर्थन किया तो विपक्षी सांसदों ने उठाए सवाल

नई दिल्ली,08 जनवरी,2025 (ए)। देश में लोकसभा और विधानसभा के चुनाव एक साथ कराने के प्रावधान वाले दो विधेयकों पर विचार करने के लिए गठित संसद की संयुक्त समिति की पहली बैठक में भारतीय जनता पार्टी के सदस्यों ने एक साथ चुनाव के विचार की सराहना की तो विपक्षी सदस्यों ने इस पर सवाल खड़े किए।मिली जानकारी के मुताबिक विधि एवं न्याय मंत्रालय के अधिकारियों ने बैठक के दौरान प्रस्तावित कानूनों के प्रावधानों पर एक प्रस्तुति दी, जिसमें लोकसभा और विधानसभा चुनावों को एक साथ कराने के विचार का विधि आयोग सहित विभिन्न निकायों द्वारा समर्थन किए जाने का हवाला दिया गया।

इस दौरान भाजपा सदस्यों ने 'एक देश, एक चुनाव' के प्रस्ताव का समर्थन करते हुए कहा कि यह देश के हित में है। वहीं कांग्रेस के एक सदस्य ने कहा कि यह विचार संविधान के मूल ढांचे के खिलाफ है, जबकि तृणमूल कांग्रेस के एक सांसद ने कहा कि यह लोगों के लोकतांत्रिक अधिकारों को नकारता है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद पीपी चौधरी की अध्यक्षता वाली 39 सदस्यीय संयुक्त संसदीय समिति में कांग्रेस से प्रियंका गांधी वाड्रा, जनता दल (यूनाइटेड) से संजय झा, शिवसेना से श्रीकांत शिंदे, आम आदमी पार्टी (आप) से संजय सिंह और तृणमूल कांग्रेस से कल्याण बनर्जी समेत सभी प्रमुख दलों के सदस्य शामिल हुए।

विधानसभा चुनाव के दौरान पंजाब से आ रही नकदी पर पैनी नजर

चुनाव आयोग ने दिल्ली पुलिस को पत्र लिखकर दिए कार्रवाई के निर्देश

नई दिल्ली,08 जनवरी,2025 (ए)। दिल्ली में आने वाले विधानसभा चुनाव की तारीख घोषित होने के साथ-साथ पुलिस और चुनाव आयोग हरकत में आ गया है ताकि चुनाव में कोई गड़बड़ी न हो। इसके लिए चप्पे-चप्पे पर नजर रखी जा रही है। चुनाव आयोग ने दिल्ली विधानसभा चुनाव के दौरान पंजाब से पैसे आने की आशंका व्यक्त की है। दिल्ली पुलिस को पत्र लिखकर इस पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

दिल्ली पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बीते हफ्ते ही पत्र शीर्ष अधिकारियों को भेजा गया था, साथ ही सभी जिलों, क्राइम, स्पेशल सेल, रेलवे और मेट्रो के डीसीपी को भी भेजा गया था। पत्र में आयोग ने पंजाब से पैसे भेजे जाने की आशंका जताई थी, जो मतदाताओं को लुभाने के लिए इस्तेमाल किए जाएंगे।

संपादकीय

नियम को तुरंत बदलने की जरूरत

ओलिंपिक्स में मेडल जीतना खेल जगत की सबसे बड़ी उपलब्धि होता है। ऐसे में जो खिलाड़ी पदक जीतते हैं, उन्हें स्वाभाविक रूप से खेल रत्न पुरस्कार मिलने चाहिए। इसके लिए एथलीट खुद अर्जी दें, इस नियम को तुरंत बदलने की जरूरत है।ऐसे नियम अतार्किक हैं, जिनकी वजह से देश का नाम रोशन करने वाली शख्सियतों से उनका सम्मान छिने और वे आहत महसूस करें। वैसे भी सम्मान पाने के लिए खेल प्रतिभाओं के खुद आवेदन करने की शर्त अजीबोगरीब है। इसी शर्त के कारण ओलिंपिक खेलों में अप्रतिम प्रदर्शन करने वाली निशानेबाज मनु भाकर इस वर्ष खेल रत्न पुरस्कार पाने से वंचित हो गई हैं। भाकर का कहना है कि शर्त के मुताबिक उन्होंने पुरस्कार के लिए पोर्टल पर जाकर आवेदन किया था। लेकिन संभवत- किसी तकनीकी गड़बड़ी के कारण उनकी अर्जी अधिकारियों तक नहीं पहुंच पाई। इस तरह जिस साल उन्होंने ओलिंपिक्स में दो पदक जीत कर ऐसा करने वाली पहली भारतीय बनीं, उन्हें इस पुरस्कार से वंचित होना पड़ा है।इस पर मनु के असंतोष को आसानी से समझा जा सकता है। उनके पिता ने एक इंटरव्यू में मनु की उदास प्रतिक्रिया की जानकारी दी। उनके पिता ने बताया- उसने मुझसे कहा कि मुझे ओलंपिक्स जाकर देश के लिए पदक जीतने ही नहीं चाहिए थे। असल में मुझे एथलीट ही नहीं बनना चाहिए था।' जब नाम जारी हुए, तब मनु को पता चला कि इस वर्ष खेल रत्न पुरस्कारों के लिए जिन 12 खिलाडियों को शॉर्ट लिस्ट किया गया है, उनमें उनका नाम नहीं है। जबकि 2021 में टोक्यो ओलंपिक्स के बाद वहां पदक जीतने वाले सभी सात खिलाड़ियों को खेल रत्न से सम्मानित किया गया था। ओलिंपिक्स में मेडल जीतना खेल जगत की सबसे बड़ी उपलब्धि होता है।जहां मुकाबला सचमुच वैश्विक स्तर का हो, वहां कामयाब होना आसान नहीं होता। ऐसे में जो खिलाड़ी पदक जीतते हैं, उन्हें स्वाभाविक रूप से खेल रत्न पुरस्कार के लिए चुना जाना चाहिए। इसके लिए एथलीट खुद अर्जी दें, इस नियम को तुरंत बदले जाने की जरूरत है। मनु भाकर की उपलब्धि कितनी बड़ी है, क्या इसे उन्हें खुद बताना चाहिए? भारत में दिक्कत यह है कि ओलंपिक्स की सफलता देश को सिर्फ एक-दो दिन याद रहती है। ओलंपिक्स जैसे मौकों पर उपलब्धियों के अभाव के लिए देश की यह संस्कृति कम जिम्मेदार नहीं है। बहरहाल, अब सूरत बदले जाने की जरूरत है।

ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस को मात दे पायेगा भारत?

डॉ सत्यवान सौरभ
बड़वा (सिवानी)
भिवानी,हरियाणा

भारत को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन पहलों के माध्यम से निगरानी, निदान और त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र को मजबूत करके मानव मेटान्यूमोवायरस जैसे उभरते वायरल खतरों से निपटने के लिए अपने नियामक ढांचे को बढ़ाना चाहिए। वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं के साथ-साथ वैक्सीन और एंटीवायरल अनुसंधान में निवेश से ऐसे प्रकोपों को कम करने में मदद मिलेगी। कमजोर आबादी की सुरक्षा और एचएमपीवी प्रसार को नियंत्रित करने के लिए स्वास्थ्य देखभाल बुनियादी ढांचे को मजबूत करना आवश्यक है। मानव मेटान्यूमोवायरस एक वैश्विक स्वास्थ्य चिंता के रूप में उभरा है, विशेष रूप से बच्चों, बुजुर्गों और प्रतिरक्षाविहीन व्यक्तियों जैसे कमजोर आबादी के लिए। पहली बार 2001 में पहचाना गया, मानव मेटान्यूमोवायरस दुनिया भर में महत्वपूर्ण श्वसन संक्रमण का कारण बनता है, जिससे अस्पताल में भर्ती होने और मृत्यु दर, विशेष रूप से कम आय वाले देशों में होती है। मानव मेटान्यूमोवायरस जैसे वायरल प्रकोपों के कारण बढ़ती चुनौतियाँ सामने आ रही हैं, प्रभावी प्रबंधन के लिए नियामक ढाँचों को मजबूत करना महत्वपूर्ण है। विशेष रूप से मौसमी प्रकोपों के दौरान अपने व्यापक प्रसार के कारण मानव मेटान्यूमोवायरस एक महत्वपूर्ण वैश्विक स्वास्थ्य चिंता बन गया है। वायरस का प्रभाव क्षेत्रों में बढ़ने के कारण लोगों का ध्यान आकर्षित कर रहा है। चीन में, बढ़ी हुई निगरानी ने मानव मेटान्यूमोवायरसमामलों में वृद्धि का खुलासा किया है, विशेष रूप से बच्चों और बुजुर्गों में, जो पता लगाने की दरों में वृद्धि का संकेत देता है। हालाँकि पहली बार 2001 में पहचाना गया, मानव मेटान्यूमोवायरस ने दुनिया भर में बढ़ते श्वसन संक्रमण के कारण ध्यान आकर्षित किया है, जिससे अस्पताल में भर्ती होने और मृत्यु दर बढ़ रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट है कि मानव मेटान्यूमोवायरस वैश्विक स्तर पर अस्पताल में भर्ती होने वाले लोगों का 3प्रतिशत-10प्रतिशत हिस्सा है, जिसमें पाँच वर्ष से कम उम्र के बच्चों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

वायरस अक्सर फ्लू के मौसम में तेजी से फैलता है, जिससे श्वसन संक्रमण में वृद्धि होती है, जिससे यह मौसमी स्वास्थ्य खतरा बन जाता है। चीन में, फ्लू का मौसम मानव मेटान्यूमोवायरस के मामलों में वृद्धि के साथ मेल खाता है, जिससे अस्पताल में भर्ती होने और मीडिया कवरेज में वृद्धि होती है। वर्षों से प्रचलन में होने के बावजूद, भारत सहित कई देशों में मानव मेटान्यूमोवायरस के लिए व्यापक और किफायती परीक्षण बुनियादी ढांचे का अभाव है। जबकि वैश्विक एजेंसियां मानव मेटान्यूमोवायरस की निगरानी करती हैं, फिर भी कई क्षेत्रों में इसका पता लगाने और रिपोर्ट करने में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जिससे शुरुआती हस्तक्षेप प्रभावित होते हैं। वायरस पाँच वर्ष से कम उम्र के बच्चों जैसे कुछ कमज़ोर समूहों को असमान रूप से प्रभावित करता है।

मानव मेटान्यूमोवायरस छोटे बच्चों, विशेष रूप से पाँच वर्ष से कम उम्र के बच्चों को असमान रूप से प्रभावित करता है, जिन्हें गंभीर बीमारी और अस्पताल में भर्ती होने का अधिक जोखिम होता है। बुजुर्ग, विशेष रूप से वे जिन्हें पहले से कोई स्वास्थ्य समस्या है, मानव मेटान्यूमोवायरस संक्रमण से गंभीर परिणामों के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। चीन में, बुजुर्गों में मानव मेटान्यूमोवायरस के मामलों में वृद्धि के कारण अस्पताल में भर्ती होने की संख्या बढ़ी है, जिससे वृद्ध आबादी की कमज़ोरी उजागर हुई है। कमज़ोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले लोगों को मानव मेटान्यूमोवायरस से गंभीर संक्रमण का अधिक जोखिम होता है, जिसके लिए गहन चिकित्सा देखभाल की आवश्यकता होती है। एचएमपीवी के कारण होने वाली मौतें शिशुओं और प्रतिरक्षाविहीन लोगों सहित कमज़ोर समूहों में उल्लेखनीय रूप से अधिक हैं। पाँच वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए मृत्यु दर 1 प्रतिशत है, जो विकसित और विकासशील दोनों देशों में उच्च जोखिम वाली आबादी पर वायरस के प्रभाव के बारे में चिंताएँ पैदा करती है। निम्न और मध्यम आय वाले देशों में, सीमित स्वास्थ्य सेवा पहुँच कमज़ोर आबादी के लिए गंभीर परिणामों के जोखिम को बढ़ाती है। इस तरह के वायरल प्रकोपों को प्रबंधित करने के लिए विनियामक ढाँचे और क्षमताओं को मज़बूत करने के उपाय डायग्नोस्टिक इंफ्रास्ट्रक्चर को मज़बूत करना है। भारत सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों में एचएमपीवी जैसे वायरस के लिए परीक्षण सुविधाओं का विस्तार करके अपनी नैदानिक क्षमताओं को बढ़ा सकता है।

भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद व्यापक, किफ़ायती एचएमपीवी परीक्षण सुनिश्चित करने के लिए निजी प्रयोगशालाओं के साथ सहयोग कर सकती है, जिससे शुरुआती पहचान और रोकथाम हो सके। भारत एक सुव्यवस्थित विनियामक मार्ग स्थापित करके नैदानिक परीक्षणों के लिए अनुमोदन प्रक्रिया में तेज़ी ला सकता है जो सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात स्थितियों के दौरान परीक्षणों को तेज़ी से मंजूरी देता है। भारतीय औषधि महानियंत्रक अंतर्राष्ट्रीय मानकों को पूरा करने वाले डायग्नोस्टिक किट के लिए आपातकालीन स्वीकृति तंत्र लागू कर सकता है। वास्तविक समय में श्वसन संक्रमण की निगरानी, रुझानों और मानव मेटान्यूमोवायरस जैसे उभरते खतरों पर नज़र रखने के लिए एक मजबूत राष्ट्रीय निगरानी प्रणाली विकसित की जा सकती है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय सभी राज्यों में वास्तविक समय मानव मेटान्यूमोवायरस ट्रैकिंग को शामिल करने के लिए एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम का विस्तार कर सकता है। भारत मानव मेटान्यूमोवायरस के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य अभियान शुरू कर सकता है, रोकथाम के तरीकों और लक्षणों को पहचानने पर ध्यान केंद्रित कर सकता है, खासकर कमजोर आबादी के बीच। स्वास्थ्य मंत्रालय मानव मेटान्यूमोवायरस जैसे श्वसन संक्रमण के लक्षणों को पहचानने के लिए, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में सूचना अभियान चलाने के लिए मीडिया और गैर सरकारी संगठनों के साथ साझेदारी कर सकता है।

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करें- भारत वायरल प्रकोपों के प्रबंधन के लिए सूचना और संसाधनों को साझा करने के लिए अपने वैश्विक सहयोग को बढ़ा सकता है, जिससे उभरते रोगजनकों के लिए समय पर प्रतिक्रिया सुनिश्चित हो सके। भारत को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन पहलों के माध्यम से निगरानी, निदान और त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र को मजबूत करके मानव मेटान्यूमोवायरस जैसे उभरते वायरल खतरों से निपटने के लिए अपने नियामक ढांचे को बढ़ाना चाहिए। वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं के साथ-साथ वैक्सीन और एंटीवायरल अनुसंधान में निवेश से ऐसे प्रकोपों को कम करने में मदद मिलेगी। कमजोर आबादी की सुरक्षा और एचएमपीवी प्रसार को नियंत्रित करने के लिए स्वास्थ्य देखभाल बुनियादी ढांचे को मजबूत करना आवश्यक है।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

मिटाना होगा आत्महत्याओं का कलंक

रमेश सर्राफ धमोरा
झुंझुनू,राजस्थान

भारत में आए दिन आत्महत्या की घटनाएं घटित होती रहती है। यहां हर चार मिनट में एक आत्महत्या की जाती है। यहां शायद ही कोई दिन ऐसा बीतता होगा जब किसी न किसी इलाके से गरीबी, भुखमरी, कुपोषण, बेरोजगारी, कर्ज जैसी तमाम आर्थिक तथा अन्य सामाजिक दुश्वारियों से परेशान लोगों के आत्महत्या करने की खबरें न आती हों। आत्महत्या करना सभ्य समाज के माथे पर एक कलंक के समान है। आत्महत्या में व्यक्ति स्वयं को दंडित करते हुए अपनी जान दे देता है। ऐसा घिनोना कार्य कोई व्यक्ति तभी करता है जब वह चारों तरफ से निराश हो जाता है।

आत्महत्या करने का सबसे बड़ा कारण आर्थिक पक्ष को माना जाता है। उसके बाद मानसिक, पारिवारिक व अन्य बहुत से कारण हो सकते हैं। आर्थिक रूप से कमजोर होने पर व्यक्ति स्वयं को गिरा हुआ महसूस करता है और अंत में वह आत्महत्या करने जैसा घिनौना कदम उठा लेता है। हम आए दिन अखबारों में पढ़ते हैं कि बहुत से परिवारों ने आर्थिक कर्म से सामूहिक आत्महत्या कर अपने जीवन लीला समाप्त कर ली। बहुत से किसान अपना खेती का कर्ज नहीं चुका पाने के कारण भी बड़ी संख्या में आत्महत्या करते हैं। आत्महत्या की बढ़ती घटनाओं को रोकने के लिए सरकार ने कानून तो बना दिया मगर उसका प्रभाव समाज पर पड़ता दिखाई नहीं दे रहा है। प्रेम में असफल होने पर भी बड़ी संख्या में नवयुवक युवतियां आत्महत्या कर अपने जीवन लीला समाप्त कर लेते हैं। आंकड़ों की दृष्टि से भारत आत्महत्याओं के मामले में दुनिया में सिरमौर बनता जा रहा है। आत्महत्या रोकने की दिशा में अब तक सरकारी स्तर पर जितने भी प्रयास हुए हैं वह सब नाकाम साबित हुए हैं। सरकारी आंकड़ों में जितनी आत्महत्या की संख्या दर्शायी जाती है उससे कई गुना अधिक लोग आत्महत्या कर अपनी जान गंवा रहे हैं। मगर आत्महत्या की घटनाओं को रोकने की कोई सार्थक पहल नहीं हो पाई है। खेती के लिए लिया गया कर्ज़ नहीं चुका पाने के कारण भी बड़ी संख्या में किसान आत्महत्या कर रहे हैं। मगर सरकारी बैंकों, साहूकारों के कर्ज से परेशान किसान आज भी आत्महत्या कर रहें हैं। उन्हें रोकने की दिशा में भी सरकार ने कोई विशेष पहल नहीं की है। बैंक आज भी किसानों से जबरदस्ती कर्ज वसूली के लिए उनकी जमीने नीलाम कर रहे हैं। इसी के चलते किसान मजबूर होकर आत्महत्या जैसे कदम उठाने को मजबूर हो रहे हैं। भारत में आत्महत्या एक प्रमुख समस्या है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट के अनुसार 2022 में 171,000

आत्महत्याएं की गई थी जो 2021 की तुलना में 4.2 प्रतिशत अधिक थी । प्रति एक लाख की जनसंख्या पर आत्महत्या की दर 2022 में बढ़कर 12.4 हो गई जो आंकड़ो के हिसाब से सर्वोच्च थी। 2022 के दौरान आत्महत्याओं में 2018 की तुलना में 27 प्रतिशत की वृद्धि हुई और भारत में दुनिया में सबसे अधिक आत्महत्याएं हुईं। वैश्विक आत्महत्या मौतों में भारत के आंकड़े 1990 में 25.3 प्रतिशत से बढ़कर 2016 में महिलाओं में 36.6 प्रतिशत और पुरुषों में 18.7 प्रतिशत से बढ़कर 24.3 प्रतिशत हो गये। 2016 में 15-29 वर्ष और 15-39 वर्ष के आयु समूहों में आत्महत्या मृत्यु का सबसे आम कारण था। दैनिक वेतन भोगी लोग आत्महत्या पीड़ितों का 26 प्रतिशत हिस्सा थे। जो आत्महत्या के आंकड़ों में सबसे बड़ा समूह था।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट के अनुसार 2022 में राज्यों में सबसे अधिक आत्महत्याएं महाराष्ट्र (22,746) में हुईं। इसके बाद तमिलनाडु में 19,834 और मध्य प्रदेश में 15,386 आत्महत्याएं हुईं। चार राज्यों महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल को मिलाकर देश में हुयी कुल आत्महत्याओं में से लगभग आधी उक्त प्रदेशों में हुयी थी। नागालैंड में केवल 41 आत्महत्याएं हुईं। महाराष्ट्र, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश और कर्नाटक में 2017 से 2019 के दौरान भारत में लगभग आधी आत्महत्याएं हुयी हैं। केंद्र शासित प्रदेशों में दिल्ली में सबसे अधिक आत्महत्याएं हुईं, उसके बाद पुडुचेरी का स्थान रहा। बिहार और पंजाब में 2018 की तुलना में 2019 में आत्महत्याओं के प्रतिशत में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज हुयी थी। एनसीआरबी की रिपोर्ट के मुताबिक पिछले पांच सालों में आत्महत्या की घटनाओं का ग्राफ लगातार बढ़ता हुआ दिखता है। 2017 में देश में 1,29,887 आत्महत्याओं की मामले रिकॉर्ड किए गए थे। तब आत्महत्या दर 9.9 प्रतिशत थी। आत्महत्या दर प्रति लाख आबादी पर होने वाली आत्महत्या की घटनाओं को दर्शाता है। 2017 के आंकड़ों के मुताबिक देश में प्रति लाख 9.9 आत्महत्या की घटनाएं दर्ज की गईं थी। 2018 में आत्महत्या दर में इजाफा हुआ और ये बढ़ कर 10.2 पर पहुंच गयी थ। तब देश में 1,34,516 आत्महत्या के मामले दर्ज हुए थे। 2019 में कुल 1,39,123 लोगों ने तो 2020 में ये संख्या बढ़कर 1,53,052 हो गई थी। 2021 में आत्महत्या के 1,64,033 मामले हुये थे। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के तुलनात्मक आंकड़े बताते हैं कि भारत में आत्महत्या की दर विश्व आत्महत्या दर के मुकाबले बढ़ी है। भारत में पिछले दो दशकों की आत्महत्या दर में एक लाख लोगों पर 2.5 फीसद की वृद्धि हुई है। आज भारत में 37.8 फीसद आत्महत्या करने वाले लोग 30 वर्ष से भी कम उम्र के हैं। दूसरी ओर 44 वर्ष तक के लोगों में आत्महत्या की दर 71 फीसद तक बढ़ी है। 2018 में पारित हुए मेंटल हेल्थ केयर एक्ट 2017 के तहत भारत में आत्महत्या के अपराधीकरण का कानून खत्म करते हुए मानसिक बीमरियों से जूझ रहे लोगों को मुफ्त मदद का प्रावधान किया गया है। इस नए कानून के तहत आत्महत्या का प्रयास करने वाले किसी भी व्यक्ति को मदद पहुंचाना, इलाज करवाना और पुनर्वास देना सरकार की जिम्मेदारी होगी।

भारत के साथ-साथ पूरे विश्व में मानसिक स्वास्थ से जूझ रहे लोगों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि इस मामले में अभी तक विश्व स्वास्थ्य संगठन की ओर से कोई ठोस बयान जारी नहीं किया गया है। लेकिन विश्व के अलग-अलग हिस्सों में हो रहे आत्महत्याओं के बढ़ते मामलों पर तुरंत संज्ञान लेने की जरूरत है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया में हर साल लगभग आठ लाख लोग आत्महत्या करते हैं। जिनमें से 21 फीसदी आत्महत्याएं भारत में होती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट में सरकारों को सलाह दी गई है कि आत्महत्या का मीडिया ट्रायल नहीं हो। देश में अल्कोहल को लेकर ठोस नीति बनाई जाए। आत्महत्या के संसाधनों पर रोक लगाते हुए आत्महत्या के प्रयास करने वालों की उचित देखभाल की जाए।

आत्महत्या जैसे मामलों को रोकने के लिए समाज के हर एक जिम्मेदार व्यक्ति को सामने आने की जरूरत है। जिससे ज्यादा-से-ज्यादा लोग इस बात से जागरूक हो सकें और आत्महत्या जैसे मामलों में कमी लाई जा सके। सभी को इस बात को समझने की जरूरत है कि आज की इस भागदौड़ भरी जिन्दगी में तनाव की स्थिति कभी कम तो कभी ज्यादा बनी रहती है। परंतु इसका समाधान अपनी जिन्दगी को समाप्त कर लेना नहीं हैं।

नए साल पर काव्य गोष्ठी का आयोजन

मुजफ्फरपुर,08 जनवरी 2025। मुजफ्फरपुर बिहार की साहित्यिक संस्था एम एस केशरी पब्लिकेशन जिसकी संस्थापिका मुस्कान केशरी जी हैं। पब्लिकेशन द्वारा एकल पुस्तकें और साझा संकलन पुस्तकें प्रकाशित की जाती हैं और हर माह दो दिवसीय काव्य गोष्ठी,जुगल बंदी,साक्षात्कार और कविता प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। जिसमें देशभर के साहित्यकार सम्मिलित होते हैं और कार्यक्रम कों सफल बनाते हैं।नए साल के शुभ अवसर पर जनवरी में काव्यगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में वीना अडवाणी व प्रीति केसरवानी जी, विशिष्ट अतिथि के रूप में राजस्थान से ऑक्टोपाइडर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक इंजी हिमांशु जी, मंच संचालन मुस्कान केशरी जी और सरस्वती वंदना आनन्द कुमार मित्तल जी व बलराम यादव देवरा जी के द्वारा किया गया। देशभर के आमंत्रित स्वर डॉ पंकज कुमार बर्मन, रमेश साहू, चंद्रमोहन नीचे, आनन्द कुमार मित्तल, रियाज खान गौहर, डॉ उर्मिला कुमारी साईप्रीत, डॉ शारदा प्रसाद दुबे, भारत भूषण वर्मा असंध, विशाल जैन पवा, गौरव, सागर,संदीप जैन जी मंच पर सम्मिलित हुए। इस बार की दो दिवसीय काव्यगोष्ठी सैनिकों, ठंड व न ए साल पर रही, सभी साहित्यकार ने एक से बढ़कर एक रचना प्रस्तुत की। एम एस केशरी पब्लिकेशन की संस्थापिका मुस्कान केशरी जी सभी साहित्यकार का तहे दिल से धन्यवाद करती हैं।

ग्राम्य लोक-संस्कृति की परम्परा में भुर्री का महत्व

प्रिया देवांगन प्रियू
राजिम गरियाबंद
छत्तीसगढ़

किसी कवि ने क्या खूब कहा है
गाँव की माटी को सूँघो,
गंध को एक नाम दे दो।
एक मुस्कुराती सुबह दे दो,
एक सुहानी शाम दे दो।।

उक्त चरितार्थ पंक्तियों के सम्बंध में कुछ इस तरह की बातें कही जा सकती हैं कि तीन पहर का दिन और चार पहर की रात का सुहाना संगम छत्तीसगढ़ के ग्राम्य अंचलों में दिखता है। यहाँ के लोग पूरे बारहों महीने पसीनेतर कमाई से कभी नहीं घबराते। तप्त ऋतु की भीषण गर्मी हो, पावस की मूसलाधार बारिश हो, चाहे शीत की कड़कड़ाती ठंड हो, सब एक बराबर होते हैं इनके लिए। गर्मी और बारिश का सामना करते हैं और ठंड से वे तनिक नहीं डरते। हर स्थिति में अपने भीतर उष्णता बनाए रखते हैं; चाहे खानपान, पहनावा या फिर चाहे और कोई बाह्य स्रोत जैसे- चुल्हे की आग, गोरसी की खरखराती धीमी आँच या फिर पैरा या झिटका की दहकती आँच अर्थात भुर्री।

भुर्री तापना एक परम्परा :

भुर्री, यहाँ के लोगों के द्वारा आग तापने की परंपरा है। अत्यधिक ठंड पड़ने पर ग्रामीण अँचल के लोग छोटी-छोटी लकड़ियाँ (चिल्फा) इकट्ठा कर गोरसी या चूल्हे में जलाकर धीमी-धीमी आँच से शरीर की सिकाई करते हैं और शरीर में गर्माहट पैदा करते हैं। यह परम्परा प्राचीन काल से चली आ रही है। गाँव में प्रायः बड़े-बुजुर्ग सूर्योदय से पहले ही जब चहुँओर शीत की बूँदें बरसने लगती हैं; सुबह उठ कर चूल्हे या गोरसी में छेना, चिल्फा या फिर कोयला डालकर आग सुलगाते हैं; जलाते हैं। आग सूर्य के रंग जैसा प्रतीत होती है, मानो सूर्य के बीच की चमकती हुई आभा चूल्हे में उतर कर मन को प्रफुल्लित करती हुई देह की सिकाई कर रही हो।

आग के अंगारे मद्धम-मद्धम दगते हैं। धीमी-धीमी आँच पड़ने पर बड़ा सुकून मिलता है। ठंड के दिनों में बड़े बुजुर्गों के अलावा बच्चे, युवा व बुजुर्ग सभी साथ में बैठकर भुर्री का आनंद लेते हैं।

भुर्री देती नसीहतें :

गाँव का रहन-सहन देखकर मन आनंदित हो उठता है। यहाँ बात भुर्री की है, तो मुझे बताते हुए खुशी हो रही है कि सिर्फ एक परिवार के सदस्य ही नहीं बल्कि पास-पड़ोस के लोग भुर्री का हिस्सा बनते हैं। इससे लोगों में प्रेम-भाव बना रहता है। आज भी लोग गाँव में एकत्रित होते हैं और अपने-अपने जीवन की बातें एक-दूसरे से साझा कर ठहाके लगाते हैं। भुर्री तापते लोगों में भ्रातृत्व दिखता है, एकता नजर आती है।

लोग खेत-खलिहान से आकर शाम के समय जल्दी से भोजन कर चौराहे या फिर किसी के घर-आँगन में बैठ भुर्री का आनंद लेते हैं। छोटे-छोटे बच्चे, बड़े बुजुर्गों की बातें कान लगाकर बहुत ध्यान से सुनते हैं और आनंद लेते हैं। लोगों के बीच घर-परिवार एवं खेत-खलिहान की बातें होती हैं। विचारों का आदान-प्रदान होता है। एक-दूसरे का शोर-संदेश मिलता है। भुर्री लोगों में परस्पर सामंजस्य स्थापित करती है।

उक्त बातें कहना ज़रा भी गलत नहीं होगा कि भुर्री लोगों को एक-दूसरे से जोड़ने की सीख देती है। गाँव में कोई भी व्यक्ति अकेले भुर्री का लुत्फ उठाते नज़र नहीं आएगा, कम से कम पाँच-छः लोग दिखेंगे ही। बड़े-बुजुर्गों का ख्याल रखते हुए कई बच्चे छोटी-छोटी लकड़ियाँ इकट्ठा करते हैं, ताकि शाम को आग जला कर पास बैठ सकें। भुर्री तापने के लिए बच्चे बहुत ही उतावले होते हैं। होंगे भी क्यों नहीं; आखिर उन्हें साथ बैठने और बातें सुनने का आनंद जो मिलता है।

हमारे छत्तीसगढ़ के देहात-अंचल में गीत , कविता, कहानी-कंथली व लोकोक्ति - मुहावरे इन भुर्री तापते लोगों से सुनने को मिलते हैं। बड़े बुजुर्ग बातों ही बातों में बहुत से मुहावरे वगैरह प्रयोग करते हैं; जिससे बच्चों को आसानी से सीखने को मिलता है। अच्छी-अच्छी सीख घरं के बड़े लोगों के पास बैठने से ही मिलती है।

कहीं-कहीं लोगों के द्वारा तैयार की गई भुर्री से बेजुबानों को भी लाभ मिल जाता है। आग खपने के बाद जब लोग वहाँ से उठकर चले जाते हैं तब कुत्ते, बिल्ली या गाय आकर बैठ जाते हैं। इससे उन्हें भी ठंडी से राहत मिलती है।

हमारे छत्तीसगढ़ के ग्रामीण क्षेत्रों में भुर्री के फायदे लोग बहुत अच्छे से जानते हैं। आज भी बहुतायत तो नहीं, लेकिन भुर्री का उपयोग किया ही जाता है। स्वेटर, शॉल की उन्हें ज्यादा जरूरत नहीं पड़ती, शाम और सुबह जरूर भुर्री ताप कर ठंड भगाते हैं।

भुर्री को सहेजने की जरूरत :-

आजकल गाँवों में भी लकड़ी, छेना या कोयला सहज सुलभ उपलब्ध नहीं हो पाता। कारण है पेड़-पौधों की कटाई, पशुपालन का कम होना, खेतों में मकान बनना इत्यादि। इसका असर ज्यादातर ग्रामीण परिवेश में देखने को मिलता है। लोग अब अपनी सुख-सुविधा के चलते शहरों की ओर बढ़ते जा रहे हैं। गाँव-देहात छूटता जा रहा है। कुछ सालों बाद ऐसा होगा कि गाँवों में सिर्फ बुजुर्ग ही दिखाई देंगे; युवावर्ग नहीं। जो लोग भुर्री के बारे में जानते हैं, वे शहरों में गोरसी बनाकर इसका उपयोग करते हैं, करेंगे क्यों नहीं; आखिर अपने गाँव की मिट्टी में पले-बढ़े हैं।

आजकल भुर्री तापने की परम्परा ही सिमट कर रह गई है। स्वेटर, शॉल व कम्बल ने इनकी जगह ले ली है पर मेरा मानना है कि क्यों न हम शहरों में भी रह कर भुर्री का उपयोग करें, ताकि हमारी आने वाली पीढ़ी भी इसे जाने; समझे और इससे लाभान्वित हो। इससे हम अपनी मिट्टी से जुड़े रहेंगे। मुझे एक कवि की कुछ पंक्तियाँ याद आ रही हैं-

सौंधी महक मिट्टी की,
वो पगडंडी वाले गाँव।
ताल-तलैया स्वच्छ पानी,
वो वट-पीपल की छाँव।।
तुलसी-चौरा आँगन का,
वो गौरैये का चींव-चाँव।
खोर-गली बिजली खम्भा
वो घर-द्वार ठाँव-ठाँव।।

कविता
रंगीन चश्मा

घटती-घटना

अशोक पटेल
तुम्सा शिवरीनारायण
छत्तीसगढ़

वो रंगीन चश्मा चढ़ाकर
निरख रहे सरजमीं को
चरण वंदन में इतने मशगुल है
देख न पाते कमी को।
बन करके दक्ष चाटुकार
ऐब को रमणीक सेव बता देते हैं
गिन-गिनकर खूबियाँ
कालिख को श्वेत जता देते हैं
कुछ ऐसे ही चारणकार लोग
मिथ्या को इतिहास बनाने लगे हैं
तुच्छ को महान लिखकर
मंच से पुरस्कृत हो जाने लगे हैं
तमस कितने भी भयावह हो?
उनका चश्मा नही उतरता है
मंद गति के बहाव में भी
वह तेज उझलता है
दीनता,महंगाई,भूखमरी,बेरोजगारी
के गर्म जल में भी नही उबलता है
कुछ लेखक,पत्रकार और चमचा
रंगीन चश्मा चढ़ाकर बने वकील है
निज आका की खुशामदी मे
बस दे रहे दलील पर दलील है।।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा। -सम्पादक

पर्यटन नक्शे पर उभरेगा सरगुजा,सड़कों के जाल से परिवहन सुविधाएं बेहतर बनाने पर जोरःसीएम साय

» सीएम विष्णु देव साय ने सरगुजा सांसद और सरगुजा संभाग के सभी विधायकों के साथ की बड़ी बैठक

- संवाददाता -
अंबिकापुर,08 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में सरगुजा संभाग के सभी विधायकों और सरगुजा सांसद के साथ बड़ी बैठक की। बैठक में उन्होंने सरगुजा अंचल के विकास को लेकर सभी के साथ मिलकर काम करने का संकल्प दोहराया। मुख्यमंत्री साय ने बैठक में सांसद और विधायकों से क्षेत्र में विकास की सभी संभावनाओं को लेकर अहम चर्चा की और उनके सुझाव लिए। उन्होंने कहा कि समूचे सरगुजा संभाग के विकास पर हमारी नजर है और सरगुजा को प्रगति के पथ पर आगे ले जाने सभी संभावनाओं पर काम कर रहे है। हमारी सरकार एक बेहतर कार्य योजना इसके लिए तैयार कर रही है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हमने विकसित छत्तीसगढ़ का जो विजन तैयार किया है, उसमें समूचे छत्तीसगढ़ के साथ-साथ हमारे दोनों आदिवासी बहुल बस्तर और सरगुजा संभाग की अग्रणी भूमिका होगी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सभी जनप्रतिनिधियों से चर्चा कर उनके क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने नागरिकों के लिए मूलभूत सुविधाओं से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा करने और इसका सतत मॉनिटरिंग करने को कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम अपने विजन के अनुरुप विकास के कामों को लगातार जारी रखेंगे।

विकसित छत्तीसगढ़ का लक्ष्य पाने सरगुजा अंचल की होगी अग्रणी भूमिकाः विष्णु देव साय

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बैठक में सरगुजा क्षेत्र में पर्यटन की संभावनाओं को लेकर विशेष चर्चा की। उन्होंने कहा कि हमने छत्तीसगढ़ में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए बड़े कदम उठाए हैं। देश में पर्यटन के नक्शे पर सरगुजा को विशेष स्थान मिले, यह प्रयास हम कर रहे है। उन्होंने कहा कि हाल ही में अंबिकापुर एयरपोर्ट से नियमित विमान सेवा की शुरुआत हुई है, जिससे नागरिक सुविधाओं के बढ़ने के साथ-साथ पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

» सरगुजा क्षेत्र में विकास को गति देने जनप्रतिनिधियों से लिए अहम सुझाव

मुख्यमंत्री ने समूचे सरगुजा संभाग में परिवहन की बेहतर सुविधा के लिए काम करने की बात कही। उन्होंने कहा कि यातायात को सुगम बनाने के लिए सरगुजा को अन्य इलाकों से बेहतर सड़कों के माध्यम से जोड़ा जाएगा। सड़कों के जाल से परिवहन सुविधाएं बेहतर होगी और इससे सरगुजा का तेजी से विकास भी होगा।

बैठक में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, सांसद चिंतामणि महाराज, विधायक भैयालाल राजवाड़े, विधायक राम कुमार टोप्पो, विधायक राजेश अग्रवाल, विधायक उद्धेश्वरी पैंकरा, विधायक रायमुनि भगत, विधायक शकुंतला पोर्ते, विधायक गोमती साय, विधायक प्रबोध मिंज, विधायक भूलन सिंह मरावी और अधिकारीगण मौजूद रहे।

सरगुजा संभाग में एक बार फिर से शीतलहर,तापमान में 4 डिग्री की गिरावट

- संवाददाता -
अंबिकापुर,08 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता खत्म होते ही एक बार फिर सरगुजा संभाग में कड़ाके की ठंड पडऩी शुरू हो गई है। तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है। 24 घंटे के अंदर अधिकतम व न्यूनतम तापमान में लगभग चार डिग्री की गिरावट आई है। वहीं पिछले दो दिनों से घने कोहरे के कारण दृश्यता 50 मीटर से काम हो गई है। घने कोहरे का असर सुबह 11 तक देखा जा रहा है। मौसम विभाग के अनुसार तापमान में लगातार गिरावट होगी।

पिछले कुछ दिनों से सरगुजा संभाग में पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से ठंड से राहत मिली थी। अधिकतम तापमान बढक़र 28.9 व न्यूनतम तापमान 9.4 डिग्री पहुंच गया था। इसी बीच मंगलवार से पश्चिमी विक्षोभ का असर समाप्त होते हो ही एकबार फिर कड़ाके की ठंड पडऩी शुरू हो गई है। बर्फीली हवा आने के कारण शीतलहर की स्थिति निर्मित है। अधिकतम व न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है। बुधवार को 24 घंटे के अंदर अधिकतम तापमान गिरकर 28.9 से 22.9 डिग्री व न्यूनतम तापमान 9.4 से गिरकर 5.9 डिग्री पहुंच गया है।

चार दिनों का तापमान

दिनांक	अधि	-	न्यू
8 जनवरी	22.9	-	5.8
7 जनवरी	27	-	.4 9.4
6 जनवरी	28.9	-	7.1
5 जनवरी	26.0	-	7.1

वहीं मौसम विभाग का कहना है कि आने वाले दिनों में अभी और तापमान में गिरावट दर्ज की जा सकती है। पिछले दो दिनों से सुबह-सुबह घने कोहरे का असर दिखा जा रहा है। इस दौरान दृश्यता करीब 50 मीटर ही रह गई थी। इसके कारण वाहनों की रफ्तार पर भी ब्रेक लग गया। नेशनल हाइवे पर चलने वाले वाहन चलाकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। कोहरे का असर सुबह करीब 11 बजे तक देखा जा रहा है। घने कोहरे व शीतलहर के कारण छोटे स्कूली बच्चों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उत्तर दिशा से बर्फिली हवा के आने का क्रम जारी है। इस लिए कड़ाके की ठंड सरगुजा संभाग में पड़ रही है। दिन में भी ठंड से राहत नहीं है। सुबह 11 बजे तक घने कोहरे से लोग परेशान हैं। वहीं धूप निकलने के बावजूद भी बर्फिली हवा के कारण बेअसर साबित हो रहा है। वहीं शाम होते ही ठिठुरन और बढ़ जा रही है।

आंगनबाड़ी केन्द्रों में कार्यकर्ता एवं सहायिका के रिक्त पदों पर भर्ती

» संशोधित अनंतिम सूची जारी,पुनःदावा आपत्ति किए गए आमंत्रित

- संवाददाता -
अंबिकापुर,08 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

एकीकृत बाल विकास परियोजना लुण्ड्रा के परियोजना अधिकारी ने बताया कि विभिन्न कारणों से आंगनबाड़ी केन्द्रों में कार्यकर्ता/सहायिका के रिक्त पदों हेतु खुली भर्ती से नियुक्ति आवेदन आमंत्रित किए गए थे। उन्होंने बताया कि बाल विकास परियोजना लुण्ड्रा में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के 03 पद, मिनी कार्यकर्ता 07 पद एवं सहायिका के 33 रिक्त पदों पर कार्यकर्ता/सहायिका की भर्ती की जानी है। जिस पर दावा आपत्ति आवेदन 25 सितम्बर 2024 से 06 अक्टूबर 2024 तक प्राप्त किया गया था, किन्तु अनंतिम सूची में कुछ त्रुटि होने के कारण मूल्याकंन समिति के सर्व सहमति से निर्णय अनुसार पुनः संशोधित अनंतिम सूची का प्रकाशन 14 जनवरी 2025 तक करते हुए पुनः दावा आपत्ति आवेदन आमंत्रित किए जा रहे है उपरोक्त तिथि अवधि में सर्व संबंधित आवेदिकाएं संशोधित अनंतिम सूची कार्यालय लुण्ड्रा के नोटिस बोर्ड में अवलोकन कर सकते हैं।

कांग्रेसी सरकार ने नगर निगम को भ्रष्टाचार के हवाले कर दिया : मधुसूदन शुक्ला

- संवाददाता -
अंबिकापुर,08 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पार्षद मधुसूदन शुक्ला ने नगर निगम अंबिकापुर के कांग्रेस सरकार पर फर्जीवाड़ा और भ्रष्टाचार करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि निगम की कांग्रेस सरकार ने अमृत मिशन योजना अंतर्गत 106 करोड़ राशि का दुरुपयोग किया है, निगम क्षेत्र में जल प्रदाय के लिए सही रूप से न पाइपलाइन बिछाया गया और न हीं संपूर्ण राशि को इस काम में लगाया गया है, निगम में बैठे कांग्रेसी सरकार ने अधिकांश राशि का बंदरबांट करके केंद्र सरकार के अमृत जल मिशन को भ्रष्टाचार के हवाले कर दिया है, आज जनता पानी की किल्लत से परेशान है, कागज में इतनी बड़ी राशि को योजना पर खर्च कर दिया लेकिन धरातल पर जनता को भरपूर पानी के सपना को चूर कर दिया हैं।

उन्होंने निगम पर आरोप लगाया है कि पिछले 10 वर्षो में शहर की जनता मच्छरों से परेशान है, गुणवत्ताहीन सडक़ का निर्माण होने के तुरंत बाद डामर उखड़ गए हैं और सडक़ों में बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं, निगम की नालियां गंदगी से बजबजा रही हैं , साफ सफाई के अभाव में बस स्टैंड हो या शहर का अन्य सभी जगह गंदगी पसरा हुआ है, पूर्व के भाजपा सरकार में निर्मित उद्यान खंडहरों में तब्दील होने लगे है। कांग्रेस ने निगम में आने से पहले जनता से सिटी बस का संचालन, समेकित कर और संपति कर आधा करने का वादा तो लेकिन आज तक इसे पूरा नहीं किया। पार्षद मधुसूदन शुक्ला ने नगर निगम सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने निगम क्षेत्र में 3300 मकान बनाने की घोषणा की थी लेकिन निगम प्रबंधन मात्र 498 मकान हीं बना सका है, गरीब और जरूरतमंदों को उनके सपनों के मकान से वंचित कर दिया है, कई जगहों पर निर्माण अधूरा रह गया है यहां तक कि नगर निगम भवन भी अधूरा है । महापौर ने भी माना है कि भाजपा सरकार से निगम क्षेत्र में विकास कार्यों के लिए पर्याप्त धनराशि मिलता है। मधुसूदन ने इस बात पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जब निगम में भाजपा सरकार थी तब निगम क्षेत्र में बहुत काम हुए हैं और वही विकास कार्य आज भी दिखाई देता है, तथा उस समय के निर्मित साधन सुविधाओं को बचा पाने में भी कांग्रेस की निगम सरकार असफल है। उन्होंने कहा कि सबका प्रयास सबका साथ सबका विकास के लिए भाजपा सरकार प्रतिबद्ध है, आने वाले दिनों में निगम के भ्रष्ट कांग्रेसी सरकार को जनता जरूर सबक सिखाएगी।

सकरे रास्ते मे जानबूझकर तेजी एवं लापरवाही से वाहन चलाकर एक्सीडेंट

सरगुजा पुलिस की त्वरित कार्यवाही, मामले का आरोपी गिरफ्तार

» थाना लुन्ड्रा पुलिस टीम द्वारा मामले मे आरोपी के विरुद्ध की गई सख्त वैधानिक कार्यवाही

» आरोपी के कब्जे से घटना मे प्रयुक्त पीकप वाहन वाहन सीजी/15/डी एन /3518 किया गया जप्त

- संवाददाता -
अंबिकापुर,08 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

घटना दिनांक 01/01/25 कों मृतक आलम साय सांडिल्य साकिन करगीडीह थाना लुन्ड्रा के फौत होने पश्चात मामले मे थाना लुन्ड्रा पुलिस टीम द्वारा मर्ग क्रमांक 03/25 धारा 194 बी. एन. एस. एस. कायम कर मामले मे अग्रिम जांच करने पर पाया गया कि दिनांक 01/01/25 को पिकप क्र. सीजी /15/डी एन /3518 मे बहेराडीह के कुछ लोग पिकनिक मनाने गागर नदी बांध में आये थे जिन्होंने खाना पीना खाकर अपना सामान पिकप वाहन में डालकर पिकप को चालु किये और पिकप का चालक बहुत तेजी से गाड़ी आगे बढ़ाया, चालक जान रहा था कि बांध का मेड़ बहुत सकरा है बहुत सारे लोग आ जा रहें हैं तेजी से गाड़ी चलाने पर किसी भी आदमी को ठोकर मार सकता है और बड़ा घटना घट सकता है ये सब जानते हुए

भी पिकप वाहन क्रं. सीजी /15/डी एन /3518 का चालक भोला बहुत तेजी से गाड़ी चलाया और पास मे ही खड़े मृतक आलम साय को ठोकर मारते हुए एक्सीडेन्ट किया और गाड़ी उसके उपर से चलाते हुए पार कर दिया और वहां से बहुत तेजी से भाग गया भागते समय मृतक के साथ चल रहा एक अन्य को भी चोट लगा है, एक्सीडेन्ट से आलम साय पूरी तरह से घायल हो गया था आलम साय के पेट, सीना में चक्का चढ़ गया था जिसे ईलाज वास्ते मिशन अस्पताल अम्बिकापुर ले गये जहां डाक्टर साहब चेक कर आलम साय को मृत होना बताया, जो धारा सदर का अपराध घटित होना पाये जाने से पिकप वाहन चालक भोला उर्फ बोला उर्फ़ गुलाम गोस के विरूद्ध थाना लुन्ड्रा मे अपराध क्रमांक 07/25 धारा 105 बी.एन.एस. कायम कर जांच विवेचना में लिया गया।

पुलिस टीम द्वारा वाहन स्वामी को नोटिस देकर वाहन ड्राइवर के सम्बन्ध मे पुछताछ किया गया जो वाहन स्वामी द्वारा नोटिस मे बताया कि घटना दिनांक व समय को उक्त पिकप वाहन क्र. सीजी /15/डी एन /3518 को भोला उर्फ बोला उर्फ गुलाम गोस के द्वारा चलाना बताये जाने पर आरोपी पिकप वाहन चालक को हिरासत में लेकर हिकमत अमली से पुछताछ करने पर आरोपी वाहन चालक भोला उर्फ बोला उम्र 18 वर्ष निवासी बहेराडीह थाना लुण्ड्रा जिला सरगुजा द्वारा घटना कारित किया जाना स्वीकार किया गया। तथा वाहन स्वामी द्वारा उक्त घटना कारित पिकप वाहन सीजी /15/डी एन /3518 को पेश करने पर समक्ष गवाहन जप्त किया गया हैं, आरोपी के विरुद्ध अपराध सबूत पाये जाने से गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा मे भेजा जाता हैं।

सम्पूर्ण कार्यवाही मे थाना प्रभारी लुन्ड्रा उप निरीक्षक शिशिरकान्त सिंह, सहायक उप निरीक्षक विजय गुप्ता, प्रधान आरक्षक मानिकराम, आरक्षक बहाल राम, इबनुल खान, निरंजन बड़ा, वीरेंद्र खलखो सक्रिय रहे।

बाइक सवारों को टक्कर मार घर में जा घुसा डीजल से भरा टैंकर

- संवाददाता -
उदयपुर,08 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

डीजल से भरा टैंकर बुधवार की सुबह अंबिकापुर-बिलासपुर एनएच-130 पर ग्राम डांडग़ांव में बाइक सवार 2 युवकों को टक्कर मारते हुए सडक़ किनारे स्थित घर में जा घुसा। हादसे में दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए।

टैंकर क्रमांक यूपी 65 एफटी-0865 उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर से डीजल लेकर कोरबा जिले के दीपका जा रहा था। टैंकर बुधवार की सुबह करीब 11 बजे उदयपुर थाना क्षेत्र के ग्राम डांडग़ांव कदमडांड़ के पास पहुंचा ही था कि बाइक सवार 2 युवकों को टक्कर मारते हुए हिरेश चंद्र कुर्रे के घर में जा घुसा। टक्कर से बाइक सवार युवक घायल हो गए। वहीं घर में टैंकर घुसने से अफरा-तफरी मच गई। इस दौरान घर के भीतर खाना बना रहीं हिरेश की 21 वर्षीय बहन व मां जान बचाकर किसी तरह बाहर निकलीं। हादसे में घायल युवकों को उदयपुर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।हादसे के बाद टैंकर से डीजल लीक होने लगा। यह देख वहां अफरा-तफरी का माहौल निर्मित हो गया। सूचना मिलते ही फायरब्रिगेड व पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने आस-पास के लोगों को सुरक्षित स्थान पर भेजा, जबकि फायरब्रिगेड की टीम ने काफी मशक्कत के बाद घर के भीतर चूल्हे में धधक रही आग को बुझाया। यदि डीजल की वजह से आग फैल जाती तो बड़ा हादसा हो सकता था। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि एनएच पर अचानक बाइक सवारों को देख टैंकर चालक ने स्टीयरिंग मोड़ दिया। इससे अनियंत्रित होकर टैंकर घर में जा घुसा। जबकि बाइक सवार भी घायल हो गए। पुलिस ने टैंकर चालक को हिरासत में ले लिया है।

कलेक्टर ने संभाला नगर निगम प्रशासक का पद

- संवाददाता -
अंबिकापुर,08 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

नगर निगम अंबिकापुर के वर्तमान परिषद का कार्यकाल मंगलवार 7 जनवरी को समाप्त हो गया। बुधवार को कलेक्टर विलास भोसकर ने नगर निगम पहुंच प्रशासक के रूप में कामकाज संभाल लिया है। अंबिकापुर सहित प्रदेश के 10 नगर निगमों के लिए प्रशासक नियुक्त किया है। बता दें नगर निगम अंबिकापुर के लिए एक संयोग हैं कि प्रशासक के रूप में कामकाज देखने वाले कलेक्टर विलास भोसकर, यहां के आयुक्त भी रह चुके हैं। वर्ष 2011 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी विलास भोसकर वर्ष 2014 में प्रशिक्षु आइएएस के रूप में सरगुजा में अपनी सेवाएं दे चुके थे। उस दौरान विभिन्न पदों पर कार्य करने के साथ ही उन्होंने नगर निगम आयुक्त की जबाबदारी भी संभाली थी। अल्प अवधि के लिए ही निगम आयुक्त का कामकाज संभालने के दौरान उन्होंने शहरी व्यवस्थाओं में सुधार के साथ जनसुविधा विस्तार के कार्यों को गति दी थी। नगर निगम की लचर कार्यशैली में गुणात्मक सुधार लाकर उन्होंने राजस्व संग्रहण में गति लाकर निगम कर्मचारियों में भी नए उत्साह का संचार किया था। लगभग 10 वर्ष बाद विलास भोसकर फिर प्रशासक के रूप में नगर निगम का कार्य देखेंगे।

कलश यात्रा के साथ भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ

- संवाददाता -
अंबिकापुर,08 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

ओंकारेश्वर मंदिर राजेंद्र नगर में आयोजित श्रीमद् भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ बुधवार को कलश यात्रा निकालकर किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। कलश यात्रा सुबह 9 बजे गांधीनगर, गांधीचौक स्थित हनुमान मंदिर से प्रारंभ हुई और बनारस मार्ग से होते हुए यज्ञ स्थल पर समाप्त हुई। कलश यात्रा के बाद के बाद यज्ञ स्थल पर मंडप प्रवेश, बेदी पूजन, नवग्रह पूजन के पश्चात कलश स्थापना की गई। भागवत महापुराण के प्रथम दिवस कथा व्यास पीठ पर विराजमान पंडित ललित नरेंद्र घर दुबे महाराज ने भागवत महात्म के पश्चात परीक्षित संवाद का वर्णन कर श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया। कलश यात्रा के दौरान पंडित शिवजी पांडे, रमेश केडिया, एम के नामदेव, राजेन्द्र प्रसाद गौतम, प्रभाकर त्रिपाठी, तारा नामदेव, भगवती नामदेव, रानी श्रीवास्तव, संगीता सिंह ,माधवी बाजपेई, लक्ष्मी मिश्रा, सीमा शर्मा, अर्चना पाठक, रजनी तिवारी, सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

विश्वविद्यालय द्वारा खरीदे गए थे 48.84 लाख में 7 नग स्मार्ट इंटरएक्टिव बोर्ड,गड़बड़ी की शिकायत

- संवाददाता -
अंबिकापुर,08 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

शिक्षा गुणवत्ता के लिए संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2022 में 7 नग स्मार्ट इंटरएक्टिव बोर्ड की खरीदी की गई थी। जो बाजार से अधिक दामों पर खरीदी करने का आरोप छात्र नेता रचित मिश्रा ने लगाया है। सूचना के अधिकार के तहत प्राप्त जानकारी के आधार पर छात्र नेता ने बुधवार को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. प्रेम प्रकाश से मामले की शिकायत की है। आरोप है कि 12 अक्टूबर 2022 को विश्वविद्यालय शैक्षणिक विभाग द्वारा निशा साइंटिफिक के साथ अनुबंध किया गया और 7 नग स्मार्ट इंटरएक्टिव बोर्ड का आर्डर किया गया था। जिसमें प्रत्येक एक स्मार्ट इंटरएक्टिव बोर्ड की कीमत 6 लाख 97 हजार 857 रुपए बताया गया एवं सभी 7 नाग स्मार्ट इंटरएक्टिव बोर्ड की कीमत 48 लाख 84 हजार 999 लाख रुपए बताया गया। 4 नवंबर 2022 को संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय द्वारा यह भुगतान किया गया। छात्र नेता ने शिकायत किया है कि इस अनुबंध यंत्र पर कहीं पर भी स्मार्ट इंटरएक्टिव बोर्ड का विशेष विवरण (स्पेसिफिकेशन) के बारे में नहीं बताया गया है कि बोर्ड कौन सी कंपनी की है, कितना इंच का है, उसमें क्या-क्या फीचर्स हैं, इससे जुड़ी कोई भी विशेष विवरण के बारे में नहीं बताया गया है। खुले बाजारों में अच्छे से अच्छे खूब सारे फीचर्स के साथ में आने वाले स्मार्ट इंटरएक्टिव बोर्ड की कीमत भी अधिकतम 2 लाख 40 हजार रुपए की है। छात्र नेता ने आरोप लगाया है कि जाम पोर्टल का दुरुपयोग कर लगभग तीन गुना अधिक रेट में स्मार्ट बोर्ड की खरीदी कर संबंधितों द्वारा लाखों रुपए का भ्रष्टाचार किया गया है। और छात्र-छात्राओं की अमूल्य निधि का दुरुपयोग किया गया है। कुलपति ने खुद स्वीकार किया है कि स्मार्ट बोर्ड आधे घंटे के अंदर गर्म हो जाता है और उसे बंद करना पड़ता है। जबकि इतने महंगे रेट पर खरीदे गए स्मार्ट बोर्ड 2 साल के अंदर ही खराब होने लगी है। इस लिए स्मार्ट बोर्ड के गुणवत्ता पर भी सवाल उठ रहे हैं। इससे स्पष्ट है कि खरीदी में गड़बड़ी की गई है।

CMYK

तिब्बत में भूकंप के दूसरे दिन राहत कार्य जारी, तंबू में रह रहे पीड़ित,अब तक 126 लोगों की मौत

बीजिंग, 08 जनवरी 2025। पश्चिमी चीन के तिब्बत क्षेत्र में एक बड़े भूकंप के बाद बचाव कार्य दूसरे दिन भी जारी रहा। बचाव कर्मियों ने मलबे में दबे हुए लोगों की तलाश की और पीड़ितों को तंबू, कंबल, स्टोव और अन्य राहत सामग्री भेजी गई। इन वस्तुओं को उन लोगों तक पहुंचाया गया, जिनके घर अब रहने योग्य नहीं रहे। इसके बाद अब उनका फोकस भूकंप पीड़ितों के पुनर्वास पर है। तिब्बत का यह क्षेत्र समुद्र तल से 13,800 फीट की ऊंचाई पर है और यहां रात के समय तापमान शून्य से नीचे गिर जाता है।

चीन के सरकारी चैनल सीसीटीवी पर प्रसारित वीडियो में मजदूरों को मंगलवार रात को धातु के ढांचे और खंभों के साथ तंबू लगाते देखे गए। ये तंबू अस्थायी घर के रूप में लगाए गए हैं। इन तंबुओं में खाद्य पैकेट भी वितरित किए गए हैं। लोगों ने नीले रंग के शीतकालीन जैकेट पहने हुए थे।

भूकंप के कारण मंगलवार शाम तक 126 लोगों की मौत हो चुकी थी और 188 लोग घायल हुए हैं। तिब्बत के आपातकालीन प्रबंधन विभाग के अधिकारी ने बताया कि अब बचाव का काम खत्म होकर राहत और पुनर्वास का काम शुरू कर दिया गया है। भूकंप तिब्बत के शिगात्से जिले में आया था, जो एक महत्वपूर्ण तिब्बती बौद्ध स्थल है। भूकंप का केंद्र शिगात्से शहर से 25 किलोमीटर दूर था। इस भूकंप में 500 से ज्यादा दूसरे छोटे झटके (ऑफ्टरशॉक्स) महसूस किए गए।

भारत में धर्मशाला में दलाई लामा के निवास स्थान पर एक प्रार्थना सभा आयोजित की गई। दलाई लामा ने घोषणा की कि वह भूकंप में मारे गए लोगों के लिए गुरुवार एक प्रार्थना सभा करेंगे। चीन के उपप्रधानमंत्री ने प्रभावित क्षेत्र का दौरा किया और वहां पुनर्निर्माण कार्य को तेजी से करने की बात कही, ताकि लोग इस सर्दी के मौसम में सुरक्षित औ गर्म रह सकें। भूकंप के कारण अब तक 3,600 से ज्यादा घर गिर चुके हैं और 46 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है।

ट्रंप ने सुप्रीम कोर्ट से की सजा पर रोक लगाने की अपील,जज जुआन एम मर्चन को करना है फैसला

वॉशिंगटन,08 जनवरी 2025। अमेरिका के नव-निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सुप्रीम कोर्ट से अपील की कि न्यूयॉर्क में गोपनीय भुगतान (हश मनी) मामले में शुक्रवार को होने वाली सजा को रोक दिया जाए। ट्रंप के वकीलों ने बुधवार को शीर्ष कोर्ट का रुख किया, क्योंकि न्यूयॉर्क के अदालतें सजा टालने की उनकी अपील को खारिज कर चुकी थीं।

हश मनी मामले में सजा न्यायाधीश जुआन एम. मर्चन तय करेंगे, जिन्होंने मई में ट्रंप को 34 आपराधिक आरोपों में दोषी ठहराया था। ट्रंप पर आरोप थे कि उन्होंने अपने व्यापारिक लेन-देन को छिपाने या गलत तरीके से दिखाने के लिए कुछ दस्तावेजों में हेरफेर की। न्यायाधीश मर्चन ने यह संकेत दिया है कि वह ट्रंप को जेल की सजा, जुर्माना या परोल (शर्तों पर रिहाई) नहीं देंगे। ट्रंप के वकील सुप्रीम कोर्ट के एक पुराने फैसले का हवाला दे रहे हैं, जिसमें यह कहा गया था कि राष्ट्रपति को कुछ मामलों में आपराधिक आरोपों से सुरक्षा (इम्युनिटी) मिलती है। उनका कहना है कि इस फैसले के आधार पर ट्रंप के खिलाफ जो सबूत न्यूयॉर्क के हश-मनी मामले में इस्तेमाल हुए हैं, उन्हें राष्ट्रपति की सुरक्षा के तहत छिपाया जाना चाहिए। लेकिन न्यायाधीश मर्चन ने इस पर असहमति जताते हुए कहा कि यह संभव नहीं है।

महाभियोग के शिकार राष्ट्रपति येओल के समर्थक वकीलों में आक्रोश

सोल, 08 जनवरी 2025। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक येओल के वकीलों ने उनके खिलाफ मार्शल लॉ लागू करने के प्रयासों की निंदा की है। साथ ही देश के कार्यवाहक नेता ने राष्ट्रपति सुरक्षा कर्मियों और कानून प्रवर्तन एजेंटों के बीच टकराव की आशंका जताई है। बता दें कि यून सुक येओलकी शक्तियों को 14 दिसंबर को निलंबित कर दिया गया था और अब संविधानिक न्यायालय इस पर विचार कर रहा है कि उन्हें पद से हटाया जाए या फिर बहाल किया जाए।

यून को हिरासत में लेने का प्रयास जारी

पुलिस और भ्रष्टाचार विरोधी एजेंसियां यून को हिरासत में लेने के लिए फिर से प्रयास कर रही हैं, जबकि राष्ट्रपति सुरक्षा सेवा ने उनके आवास को कंटीले तारों से घेर दिया है और उनके घर तक जाने वाले रास्तों को अवरुद्ध किया है। इसको लेकर उच्च पदस्थ अधिकारियों ने चेतावनी दी कि अगर राष्ट्रपति सुरक्षा कर्मी हिरासत में लेने की कोशिशों में बाधा डालते हैं तो उन्हें गिरफ्तार किया जा सकता है।

एक नजर यून पर लगे आरोप पर

यून पर आरोप है कि उन्होंने 3 दिसंबर को बार-बार सम्मन की अनदेखी की थी, जिसके बाद उनकी हिरासत की मांग की जा रही है। उनके वकीलों ने सियोल पश्चिमी जिला न्यायालय द्वारा जारी किए गए नए हिरासत वारंट की वैधता को चुनौती दी है और कहा है कि केवल अदालत की सुनवाई के बाद ही गिरफ्तारी वारंट जारी किया जा सकता है। जहां सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता ने भ्रष्टाचार विरोधी एजेंसी से यून के खिलाफ हिरासत वारंट को तेजी से कार्रवाई करने का आग्रह किया है।

गौरतलब है कि 150 से अधिक भ्रष्टाचार विरोधी एजेंसी के जांचकर्ता और पुलिस अधिकारी पिछले सप्ताह राष्ट्रपति के घर पर हिरासत के लिए पहुंचे थे, लेकिन राष्ट्रपति सुरक्षा सेवा के साथ पांच घंटे तक चले गतिरोध के बाद उन्हें वापस लौटना पड़ा था।

इसको लेकर पुलिस ने कहा है कि वे यून को हिरासत में लेने के लिए सभी विकल्पों पर विचार कर रहे हैं, हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि क्या वे राष्ट्रपति सुरक्षा बलों से टकराव बढ़ाएंगे। देश के कार्यवाहक राष्ट्रपति चोई सांग-मोक ने अधिकारियों से अपील की है कि वे सुनिश्चित करें कि हिरासत के किसी भी प्रयास में नागरिकों को नुकसान न पहुंचे और सरकारी एजेंसियों के बीच शारीरिक टकराव न हो।

कोरिया एवं एमसीबी जिले के ग्रामीण बैंक के शाखा प्रबंधकों ने जाना यातायात नियम

- संवाददाता -
कोरिया/एमसीबी,08 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय भारत सरकार के आदेशानुसार, राज्य सरकार के मंसानुरूप कलेक्टर कोरिया श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी एवं पुलिस अधीक्षक रवि कुमार कुर्रे के दिशा-निर्देश व उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय श्याम मधुकर के मार्गदर्शन में जिले में 01 जनवरी से 31 जनवरी तक राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का आयोजन किया जा रहा है, जिसके तहत बुधवार को छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक कार्यालय बैकुंठपुर में कोरिया एवं एमसीबी जिले के ग्रामीण बैंकों के शाखा प्रबंधकों को यातायात नियमों की जानकारी प्रदान की गई।

लांस नायक महेश मिश्रा ने यातायात नियमों, संकेतों एवं चिन्हों की जानकारी प्रदान करने के साथ ही यातायात नियमों की विस्तृत जानकारी प्रदान की , शाखा प्रबंधक एवं स्टाफ के द्वारा पूछे गए प्रश्नों का सही उत्तर दिया गया व भविष्य में यातायात नियमों का उल्लंघन ना करने के लिए संकल्पित किया गया। यातायात लांस नायक महेश मिश्रा द्वारा यातायात के अनिवार्य, चेतावनी एवं सूचनात्मक चिन्ह की जानकारी के साथ यातायात संबंधित विस्तृत जानकारी प्रदान करते हुए चौराहा पार करने का नियम, ट्रैफिक सिग्नल लाइट, हाथों के संकेतों के माध्यम से यातायात व्यवस्था का संचालन, हेलमेट और सीट बेल्ट की अनिवार्यता, दो पहिया वाहन में तीन सवारी ना चलना, वाहन चलाते समय मादक द्रव्यों का सेवन ना करना, तेज गति व लापरवाही पूर्वक वाहन ना चलाना, प्रेशर हॉर्न का उपयोग ना करना, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग नहीं करने, ज़ेब्रा क्रॉसिंग रेलवे क्रॉसिंग, गुड समेरिटन, लाइसेंस बनवाने के नियम, दुर्घटना के कारण, दुर्घटना घटित होने पर चालक के कर्तव्य, सड़क पर वाहन चलाने के सही तरीका, मोटर व्हीकल एक्ट की विभिन्न धाराएं व उसमें निर्धारित जुर्माने की राशि से संबंधित जानकारी प्रदान की गई एवं जीवन में यातायात नियमों के पालन करने की शपथ दिलाई गई। उक्त जागरूकता अभियान के दौरान क्षेत्रीय प्रबंधक नितिन चौधरी,वरिष्ठ प्रबंधक अनूप अंबष्ट,हेमंत पाठक,अभय प्रताप सिंह ,विनय टंडन एवं प्रबंधक यादवेंद्र सिंह व क्षेत्रीय कार्यालय में पदस्थ अन्य अधिकारी गणों के साथ ही कोरिया एवं एमसीबी जिले के शाखाओं के शाखा प्रबंधक प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु 15 जनवरी तक आवेदन

- संवाददाता -
अंबिकापुर,08 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

जिला स्तरीय छत्तीसगढ़ आदिम जाति कल्याण आवासीय एवं आश्रम शैक्षणिक संस्थान समिति के सहायक आयुक्त ने बताया कि शिक्षण सत्र 2025-26 में छत्तीसगढ़ राज्य अंतर्गत संचालित 75 एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों का 6वीं में प्रवेश हेतु नियमावली एवं प्रवेश सूचना में जारी करते हुए वर्तमान शिक्षण सत्र में कक्षा 5वीं अध्ययनरत जनजातीय वर्ग के विद्यार्थियों को ऑनलाईन पोर्टल www.eklavya.cg.nic.in के माध्यम से आवेदन पत्र 31 दिसम्बर 2024 तक आमंत्रित किये गये थे। विशेष पिछड़ी जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों का पर्याप्त संख्या में आवेदन प्राप्त नहीं होने के कारण आवेदन करने की अंतिम तिथि में वृद्धि करते हुए संशोधन किया गया है। जिसमें ऑनलाईन फार्म भरने की अंतिम तिथि 15 जनवरी 2025 तक, त्रुटि में सुधार 16 से 23 जनवरी 2025 तक एवं प्रवेश परीक्षा की तिथि 16 फरवरी 2025 निर्धारित की गई है।

कमलेश शर्मा बने रेडक्रास सोसाईटी के प्रदेश प्रतिनिधि

- संवाददाता -
कोरिया,08 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

जिले में रेडक्रॉस सोसायटी के राज्य प्रबंधन समिति के प्रतिनिधि के लिए 07 जनवरी 2025 को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कोरिया कार्यालय के सभाकक्ष में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक सीएमएचओ कोरिया व रेडक्रॉस सोसायटी के सचिव डा प्रशांत सिंह के द्वारा बुलाई गई। रेडक्रास सोसाईटी जिला शाखा की बैठक में निर्वाचन अधिकारी एवं जिला अस्पताल के सीएस डॉ आयुष जायसवाल के निर्देशन में प्रदेश प्रतिनिधि का विधिवत निर्वाचन हुआ। जिसमें कमलेश शर्मा रेडक्रास सोसाईटी के प्रदेश प्रतिनिधि के लिए निर्वाचित हुए। जो कि राज्य स्तर पर कोरिया जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। बैठक में स्वास्थ्य एवं सामाजिक क्षेत्र में कार्य के लिए आगामी कार्य योजनाओं पर भी चर्चा की गई। बैठक के बाद रेडक्रास समिति के कार्यालय हेतु भवन का भी चयन किया गया। जहां समिति की आगामी बैठकें आयोजित की जाएंगी। बैठक में रेडक्रास समिति के चेयरमैन महेंद्र बेद, डिप्टी चेयरमैन गीता राजवाड़े कोषाध्यक्ष जितेंद्र गुप्ता समिति के सदस्यगण शैलेश शिवहरे, बसंत राय, शैलेंद्र शर्मा, सुधीर अग्रवाल, आशीष बड़ेरिया कमलेश गुप्ता, प्रशांत गुप्ता एवं ओम प्रकाश वर्मा प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

» रेडक्रास सोसाईटी जिला शाखा की बैठक में विधिवत हुआ निर्वाचन

मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के बाद 1 जनवरी 2025 की स्थिति में अंतिम प्रकाशन

- संवाददाता -
अंबिकापुर,08 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अर्हता तिथि 01 जनवरी 2025 के सम्बंध में फोटोयुक्त निर्वाचक नामावलियों एवं सेवा निर्वाचकों से सम्बंधित मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया गया है। 29 अक्टूबर 2024 को एकीकृत मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन कराया गया, जिसके पश्चात् 29 अक्टूबर से 28 नवम्बर 2024 तक दावा-आपत्ति प्राप्त किये गये। 09 एवं 10 नवम्बर 2024 तथा 16 एवं 17 नवम्बर 2024 को विशेष शिविर आयोजित किया गया। विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के दौरान प्राप्त दावा-आपत्तियों के निराकरण किये जाने पश्चात् 06 जनवरी 2025 को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया गया।

मतदाता सूची के प्रारंभिक प्रकाशन 29 अक्टूबर 2024 की स्थिति में जिले में कुल 659913 मतदाता थे जिनमें 325993 पुरूष, 333902 महिलाए एवं 18 थर्ड जेण्डर मतदाता थे। जिसमें विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 09 लुण्ड्रा में कुल 197142 मतदाता थे, जिनमें 97987 पुरूष, 99151 महिला और 04 थर्ड जेण्डर मतदाता थे। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 10 अम्बिकापुर में कुल 259556 मतदाता जिनमें 128073 पुरूष, 131471 महिला एवं 12 थर्ड जेण्डर मतदाता थे। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 11 सीतापुर में कुल 203215 मतदाता जिनमें 99933 पुरूष, 103280 महिला और 02 थर्ड जेण्डर मतदाता थे।

मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन 06 जनवरी 2025 की स्थिति में जिले में कुल 671619 मतदाता हैं जिनमें 331264 पुरूष, 340337 महिला एवं 18 थर्ड जेण्डर मतदाता हैं। जिसमें विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 09 लुण्ड्रा में कुल 201168 मतदाता हैं जिनमें 99777 पुरूष, 101387 महिला और 04 थर्ड जेण्डर मतदाता हैं। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 10 अम्बिकापुर में कुल 264259 मतदाता जिनमें 130237 पुरूष, 134010 महिला एवं 12 थर्ड जेण्डर मतदाता हैं। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 11 सीतापुर में कुल 206192 मतदाता जिनमें 101250 पुरूष, 104940 महिला और 02 थर्ड जेण्डर मतदाता हैं।

वहीं वर्तमान में कुल 170139 युवा मतदाता हैं, जिसमें 18 से 19 आयुवर्ग के 14751 एवं 20 से 29 आयुवर्ग के कुल 155388 मतदाता शामिल हैं। जिले में कुल 8067 दिव्यांग एवं 03 ओवरसीज मतदाता हैं।

मतदाताओं की संख्या में वृद्धि एवं कमी की स्थिति

प्रारम्भिक प्रकाशन के पश्चात 29 अक्टूबर 2024 से 28 नवम्बर 2024 तक मतदाताओं के नाम जोड़ने, हटाने एवं संशोधन करने हेतु दावा आपत्ति आमंत्रित किया गया था। जिसके आधार पर सरगुजा जिले में विधानसभावार मतदाताओं की संख्या में वृद्धि एवं कमी हुई है। जिले में कुल 14652 नाम जुड़े एवं 2946 नाम विलोपित हुए हैं। जिसके आधार पर मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन तक कुल मतदाताओं की संख्या में परिवर्तन आया है।

सेवा मतदाताओं की संख्या

मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन 06 जनवरी 2025 की स्थिति में जिले में सेवा मतदाताओं की संख्या कुल 896 है।जिसमें विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 09 लुण्ड्रा में कुल 231, विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 10 अम्बिकापुर में कुल 238 एवं विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 11 सीतापुर में कुल 427 है।

घर के बाहर ज्वलनशील पदार्थ फेंककर क्षति कारित करने के मामले मे 05 आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,08 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

» थाना गांधीनगर पुलिस टीम द्वारा मामले मे विधि से संघर्षरत बालक समेत सभी आरोपियों के विरुद्ध की गई सख्त वैधानिक कार्यवाही

» आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त स्विफ्ट वाहन एवं घटना मे प्रयुक्त मोबाइल किया गया बरामद

» आपराधिक गतिविधियों में शामिल आरोपियों पर पुलिस टीम द्वारा की जा रही लगातार कार्यवाही

प्रार्थी संजीत कुमार व्यापारी साकिन चठिरमा थाना गांधीनगर द्वारा दिनांक 23//12/24 को थाना गांधीनगर आकर रिपोर्ट दर्ज कराया गया कि दिनांक 22/12/24 कों प्रार्थी अपने परिवार के साथ घर मे सो रहा था, कि दिनांक 23/12/24 कों सुबह प्रार्थी के घर के सामने कांच के ग्रिल मे तेज आवाज़ मे पटाखा फूटने का आवाज़ आया, तब प्रार्थी बाहर निकलकर देखा तो प्रार्थी के घर के बाहर लगा कांच का ग्रिल का शिशा टुटा हुआ था, और अंदर सोफे के कवर मे आग लगा हुआ था, एवं मौक़े से तेज पेट्रोल की गंध आ रही थी, और एक छोटा कांच का बोतल भी पास मे पड़ा था, आग बुझाने के बाद घर के लगे सीसीटीवी कों देखने पर पता चला कि कि प्रार्थी के घर के सामने रोड़ पर सफ़ेद रंग की स्विफ्ट कार मे आए अज्ञात 02 व्यक्तियों द्वारा कार से निकलकर किसी चीज मे आग लगाकर फेके जिससे मौक़े पर तेज आवाज़ हुआ हैं, और फिर दोनों कार सवार युवक अम्बिकापुर की ओर फरार हो गये, अज्ञात युवकों द्वारा प्रार्थी कों कारित करने के उद्देश्य से ज्वलनशील पदार्थ कों फेक कर जलाने का प्रयास किये हैं, प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना गांधीनगर मे अपराध क्रमांक 766/23 धारा 326(जी) बी.एन.एस. का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया।

मामले को संज्ञान मे लेकर पुलिस अधीक्षक सरगुजा श्री योगेश पटेल (भा.पु.से.) के निर्देशन मे आरोपियों का शीघ्र पता तलाश कर गिरफ्तार करने के दिशा निर्देश दिए गए थे, इसी क्रम मे पुलिस टीम द्वारा मामले मे आरोपियों का पता तलाश किया जा रहा था, दौरान विवेचना मामले मे पुलिस टीम द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण किया गया घटनास्थल से एक कांच का देशी शराब का बोतल मे कपडे का पालिता लगा होना एवं उसमे अल्प मात्रा मे पेट्रोल पाया गया, जिस पर प्रकरण के धारा 109(1), 61(2) बी. एन. एस. प्रकरण मे जोड़ा गया आरोपियों के सम्बन्ध मे तकनिकी जानकारी प्राप्त कर घटनास्थल के आस पास लगे सीसीटीवी फूरेज का अवलोकन कर घटना मे प्रयुक्त वाहन की पहचान कर संदेहियो के सम्बन्ध मे तकनिकी जानकारी प्राप्त की गई, जिसमे संदेहियो का घटनास्थल के पास मौक़े पर उपस्थित रहना पाया गया साथ ही संदेहियो द्वारा अन्य युवकों से सम्पर्क किया जाना पाया गया जिनकी उपस्थिति एक साथ होना पाया गया हैं, पुलिस टीम द्वारा मामले मे शामिल 02 विधि से संघर्षरत बालक समेत कुल 05 आरोपियों को हिरासत मे लेकर पूछताछ किया गया जो आरोपियों द्वारा अपना नाम (01) उदय भान सिंह उम्र 18 वर्ष निवासी ग्राम भिटठी कला केराकछार थाना मणीपुर हाल मुकाम गंगापुर गांधीनगर (02) सुधांशु राय उर्फ चिनु उम्र 18 वर्ष निवासी शिवधारी कॉलोनी थाना गांधीनगर (03) रौनक भारद्वाज पिता सुशील भारद्वाज उम्र 18 वर्ष निवासी नवापारा चर्च ग्राउंड के सामने थाना गांधीनगर का होना बताये, विधि से संघर्षरत बालक एवं आरोपियों से घटना के सम्बन्ध मे पूछताछ करने पर घटना कारित करना स्वीकार किया गया, विधि से संघर्षरत बालक एवं आरोपियों के निशानदेही पर घटना मे प्रयुक्त वाहन सीजी/15/डीपी /3312 एवं घटना मे प्रयुक्त मोबाइल बरामद किया गया हैं, विधि से संघर्षरत बालक एवं आरोपियों के विरुद्ध अपराध सबूत पाये जाने से गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया हैं।

सम्पूर्ण कार्यवाही मे थाना प्रभारी गांधीनगर निरीक्षक मोरध्वज देशमुख, उप निरीक्षक रश्मि सिंह, उप निरीक्षक नवल किशोर दुबे, साइबर सेल प्रभारी उप निरीक्षक सी. पी. तिवारी, सहायक उप निरीक्षक राकेश मिश्रा, स्पेशल टीम प्रभारी विवेक पाण्डेय, आरक्षक अरविन्द उपाध्याय, ऋषभ सिंह, बृजेश राय, अतुल सिंह, सत्येन्द्र दुबे, संजीव चौबे, आनंद गुप्ता, अमित विश्वकर्मा, राहुल सिंह, मनीष सिंह, रमेश राजवाड़े सक्रिय रहे।

कोरिया नवीन भाजपा जिलाध्यक्ष व स्थानीय विधायक की तकरार से बिगड़ेगा पार्टी के भीतर का सामंजस्य ?

- » क्या नवीन जिला अध्यक्ष स्थानीय विधायक के साथ बना पाएंगे आपसी सामंजस्य ?
- » बिना आपसी सामंजस्य के कैसे चलेगा कोरिया जिले का भाजपा संगठन ?
- » स्थानीय विधायक के समर्थकों ने नवीन जिलाध्यक्ष से बनाई दूरी ?

- रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर,08 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

पूरे प्रदेश के लगभग सभी जिलों के भाजपा जिलाध्यक्ष बदल दिए गए, इसी क्रम में कोरिया के भी जिलाध्यक्ष का बदलाव हो गया, बदलाव के बाद यदि कोई समस्या उत्पन्न हो गई है तो वह है स्थानीय विधायक व नवीन जिलाध्यक्ष के बीच के पूर्व से चल रहे तकरार को लेकर, इस तकरार के बीच कैसे चलेगा कोरिया जिले का भाजपा संगठन व सत्ता इसे लेकर अब सवाल खड़े होने लगे हैं, वहीं विधायक समर्थक नवीन जिलाध्यक्ष के साथ कैसे तालमेल बैठाएंगे यह भी अब उनके जेहन में चल रहा है, स्थिति यह है कि विधायक को कहीं बुरा ना लगे इसलिए समर्थक नवीन जिलाध्यक्ष तक पहुंच नहीं रहे हैं, वही विधायक की नाराजगी अभी भी देखी जा रही है क्योंकि उन्होंने अभी तक नवीन जिलाध्यक्ष को स्वीकार नहीं किया है, क्योंकि अभी तक उनके सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से नवीन जिलाध्यक्ष भाजपा कोरिया के लिए बधाई भी नहीं आई है, जिसे लेकर तरह-तरह की चर्चाओं का बाजार गर्म है वही ऐसे में नवीन जिलाध्यक्ष कैसे अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे और सत्ता के साथ कैसे तालमेल बिना संगठन के आगे बढ़ाएंगे? यह उनके लिए बड़ी चुनौती हो गई है। भले ही उन्हें संगठन से बड़ा दायित्व मिला है पर सत्ता के साथ इस दायित्व को निभाना उनके लिए कड़ी चुनौती होगी अब ऐसे में सवाल यह उठ रहा है कि नवीन जिलाध्यक्ष कोरिया भाजपा एवं स्थानीय विधायक के बीच के तकरार को खत्म कौन करेगा कहा जाए तो बिल्ली के गले में घंटी कौन बांधेगा?

नवीन जिलाध्यक्ष व स्थानी विधायक की तकरार काफी पुरानी है क्या अब खत्म होगी या फिर आगे भी चलती रहेगी ?

नवीन जिलाध्यक्ष भाजपा कोरिया और स्थानीय विधायक बैकुंठपुर की आपसी तकरार आज की नहीं है।विधायक जब मंत्री थे तबसे यह तकरार है और तब वर्तमान में जिलाध्यक्ष बनाए गए देवेंद्र तिवारी विधायक साथ ही मंत्री से खुद को अलग ही लेकर चलते थे या यह कहें खुद विधायक साथ ही तत्कालीन मंत्री भी उन्हें अपने मंचों पर पसंद नहीं करते थे जिसकी कई बानगी देखने को मिला करती थी।अब विधायक पुनः वही हैं जो मंत्री थे कभी लेकिन अब देवेंद्र तिवारी जिला संगठन मुखिया हो गए हैं और न चाहकर भी विधायक को आगे चलकर मंच साझा करना होगा। अब कैसे यह होगा कैसे दोनों एक मंच पर होंगे यह देखने वाली बात होगी वैसे क्या ऐसा होगा भी दोनों एक मंच पर आयेगे यह देखने वाली बात होगी।क्या तकरार जाएगी यह भी आगे पता चलेगा।

नवीन जिलाध्यक्ष व स्थानीय विधायक की तकरार जारी रही तो क्या होगा नुकसान ?

भाजपा के नए जिलाध्यक्ष सहित स्थानीय विधायक की आपसी तकरार यदि चलती रही तो क्या होगा भाजपा को कोरिया जिले में नुकसान यह भी अब विचारणीय है।वैसे यह तो तय है कि तकरार खत्म करना होगा वरना पार्टी को खामियाजा भुगतना होगा क्योंकि निकाय चुनाव त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव सामने हैं और पार्टी को प्रत्याशी चयन करना है उन्हें जीत दिलानी है और इस बीच सामंजस्य के बिना सत्ता संगठन यह संभव नहीं हो सकता।

पूर्व जिलाध्यक्ष के हटने पर कार्यकर्ताओं में तो खुशी है पर समस्या है विधायक समर्थकों के साथ

पूर्व जिलाध्यक्ष का कार्यकाल कैसा था इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि

उनके निवर्तमान होने पर ज्यादा उदासी कार्यकर्ताओं में नजर नहीं आई बशर्ते कार्यकर्ता खुश नजर आए। वैसे नए जिलाध्यक्ष के मनोनयन के बाद कुछ भाजपाई खुश नजर आए कुछ नहीं जिसका कारण विधायक समर्थक या उनका खास होना था और विधायक समर्थक या उनके खास लोग खुश नहीं हुए और यह समस्या उनकी देखने को मिली कि वह हंसे या रोएं।वैसे उत्साहित सभी हैं पूर्व जिलाध्यक्ष के हटने से लेकिन विधायक के खास लोगों को मलाल है कि उनके विधायक की मंशा से जिलाध्यक्ष नहीं बन सका।

बैकुंठपुर विधायक के करीबी भाजपाइयों ने देवेंद्र तिवारी को नहीं दी सोशल माडिया पर बधाई

बैकुंठपुर विधायक के करीबी माने जाने वाले भाजपाइयों के द्वारा देवेंद्र तिवारी को जिलाध्यक्ष भाजपा कोरिया बनने पर बधाई नहीं दी गई सोशल मीडिया में। विधायक समर्थक एवम करीबियों ने व्यक्तिगत बधाई देकर अपना फर्ज पूरा किया और वह चलते बने। देवेंद्र तिवारी का जिलाध्यक्ष बनना ऐसा कुछ हुआ विधायक समर्थकों करीबियों के लिए की वह खुश होने का प्रयास भी नहीं कर सकते। विधायक समर्थकों करीबियों का बधाई देने से बचने के पीछे का कारण था विधायक की नाराजगी उन्हें न झेलना पड़े।

जिलाध्यक्ष विधायक खेमे का होगा यह सोचकर मनोनयन के दौरान पहुंचे थे कुछ विधायक समर्थक

जिलाध्यक्ष के मनोनयन के दौरान विधायक समर्थक उनके करीबी यह सोचकर पहुंचे थे कि विधायक खेमे का अध्यक्ष मनोनीत होगा लेकिन हुआ उल्टा। जिलाध्यक्ष के रूप में मनोनयन ऐसे व्यक्ति का कोरिया जिले के लिए हो गया जिससे विधायक का छत्तीस का आंकड़ा हमेशा रहा है। विधायक समर्थक उनके करीबी मनोनयन के बाद चलते बने और उन्हें मायूस देखा गया। बताया जा रहा है कि विधायक समर्थक करीबी भाजपाई काफी गंभीर नजर आए और वह बधाई देने जाएं न जाएं उन्हें यह सोचते देखा गया।

ब्राह्मण समाज के लोगों ने पार्टी लाइन से हटकर भाजपा कार्यालय पहुंचकर बधाई दी

ब्राह्मण समाज के लोगों को बधाई देने के दौरान काफी उत्साहित देखा गया। कई लोगों ने पार्टी लाइन का त्याग किया और अन्य दलों से होने के बावजूद उन्होंने भाजपा कार्यालय पहुंचकर देवेंद्र तिवारी को जिलाध्यक्ष बनने की बधाई दी। कई अन्य राजनीतिक दलों से जुड़े लोगों ने सोशल मीडिया पर भी बधाई दी। ब्राह्मण समाज के लोगों की यह एकजुटता राजनीतिक द्वेष रखने वाले लोगों के लिए एक सीख हो सकती है जो राजनीति के कारण अच्छे संबंध खराब करने से भी नहीं पीछे हटते उन्हें यह सीखना चाहिए कि कैसे समाज से किसी के आगे बढ़ने पर उसे प्रोत्साहित करने की जरूरत होती है। वैसे समाज से ऐसे भी लोग बधाई देते नजर आए जो कभी किसी राजनीतिक दल के प्रति खासकर जहां वह पद पर हैं वहां भी विश्वासपात्र नहीं रहे और जिन्हें अवसरवादी कहना ही ज्यादा उचित होगा। ऐसे लोगों की उपस्थिति और बधाई को लोगों ने व्यर्थ बताया और इसे केवल स्वार्थसिद्धि का एक तरीका माना।

कर्मचारियों ने भी बधाई देने में दिखाई उत्सुकता,पहुंचे कई कर्मचारी दी बधाई

कर्मचारियों के द्वारा भी देवेंद्र तिवारी को बधाई दी गई। कई कर्मचारियों ने मनोनयन के तत्काल बाद पहुंचकर बधाई दी और तनिक भी विलंब करना उचित नहीं समझा वहीं कुछ ने समूह में भी घर जाकर देर शाम बधाई दी और देवेंद्र तिवारी से मुलाकात की। देवेंद्र तिवारी को कर्मचारियों में से कुछ ऐसे गुटों की भी बधाई मिली जो विधायक के खिलाफत वाले गुट हैं और उनके चुनावों में उनके विरूद्ध जिनके काम करने का कोई उदाहरण मौजूद है। कुल मिलाकर विधायक के विरोधी कर्मचारी गुटों को इस दौरान उत्साहित देखा गया क्योंकि विरोध करने की वजह से चुनाव में विधायक उन्हें भाव देते नहीं थे वहीं अब जिलाध्यक्ष से उन्हें बेहतर उम्मीद होगी। वैसे यह गुट ज्यादा प्रभावशाली है ऐसा नहीं है बस यह आजकल कर्मचारी समूह होकर भी खुलेआम राजनीति करता नजर आता है विरोध प्रदर्शन में कई सरकार के ही निर्णय का यह विरोध करता है।

मेरा पानी उतरता देखकर किनारे पर घर न बसा लेना मै समुद्र हूं लौटकर आऊंगा जैसी बातें लिखकर भी देवेंद्र तिवारी समर्थकों ने विधायक को चिढ़ाया

देवेंद्र तिवारी के समर्थकों का उत्साह काफी सिर चढ़कर भी बोल रहा था उनके जिलाध्यक्ष मनोनयन के बाद। कुछ ने विधायक को चिढ़ाने यह भी सोशल मीडिया में लिखने से गुरेज नहीं किया की मैं समुद्र हूं मेरे लौटने का इंतजार करो मेरे जाते ही किनारे पर घर न बसाओ। इस तरह के सोशल मीडिया बयानों के बाद शायद ही विधायक साथ ही नए जिलाध्यक्ष के बीच सामंजस्य स्थापित हो सकेगा। समर्थकों का यह उत्साह और विधायक को चिढ़ाने का प्रयास सत्ता संगठन के लिए अच्छा संकेत नहीं माना जा रहा है।

साउथ की पुष्पा 2 लोगों को बहुत पसंद आ रही है जो चंदन लकड़ी के तस्करी पर बनी है...क्या सूरजपुर कोरिया में पुष्पा 3 यूकोलिपिस के तस्करी पर बनेगी ?

- » बिना रोकटोक यूकेलिप्टस की हो रही है अवैध तस्करी पर प्रशासन जानकर भी अनजान क्यों ?
- » क्या निजी जमीन पर लगे यूकेलिप्टस के पेड़ के साथ-साथ शासकीय जमीन पर लगे यूकेलिप्टस के पेड़ भी काट कर ले जा रहे तस्कर ?
- » सूरजपुर कोरिया यूकेलिप्टस का नामोनिशान मिट जाएगा सिर्फ तस्करों की वजह से ?
- » अंतरराज्यीय तस्कर बुलाकर रसूखदार यूकेलिप्टस को जिले से खत्म करने के प्रयास में...उजाड़ना चाहते हैं हरियाली ?

-शमरोज खान-
कोरिया/सूरजपुर,08 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

पुष्पा के बाद पुष्पा 2 मूवी सामने आई है जो साउथ की मूवी है और लोगों को काफी पसंद आ रही है, यह मूवी चंदन की लकड़ी की तस्करी पर बनी हुई है, पर वही इस समय सरगुजा का सूरजपुर कोरिया यूकेलिप्टस की तस्करी पर पुष्प 3 जैसी मूवी बनाने की ओर अग्रेषित है, बस एक लेखक चाहिए यूकेलिप्टस पर पुष्प 3 लिखने के लिए, यदि कोई अच्छा लेखक मिल गया तो छत्तीसगढ़ में पुष्पा 3 मूवी यूकेलिप्टस की तस्करी पर बनाया जा सकता है, जिस पर यह बताया जा सकता है कि प्रशासन कितना निरंकुश है, जिसकी वजह से बिना रोक-टोक यूकेलिप्टस की लकड़ी की तस्करी हो रही है चाहे वह लकड़ी फॉरेस्ट लैंड पर हो या फिर किसी की निजी जमीन पर तस्करों की आंख पर दिखी कि वह लकड़ी काटी।

ज्ञात होकी नीलगिरी या यूकेलिप्टस के पेड़ पर्यावरण के लिए हानिकारक है क्योंकि यह पेड़ 18

20 गुना वाष्पोत्सर्जन करता हैं इससे सूखा पढ़ने की स्थिति उत्पन्न होती है, साथ ही इसके पोशाक जहरीले होने की वजह से मिट्टी के पोषक तत्व को खींचकर बंजर बना देती है जिस वजह से इस पेड़ को पर्यावरण के हिसाब से हानिकारक माना जाता है यही वजह है कि इस पेड़ की कटाई पर कोई भी रोक नहीं है, पर यदि रोक है तो वह रोक है अपने पेड़ों की कटाई के लिए अनुमति लेने की,यह अनुमति इसलिए ली जाती है क्योंकि पेड़ को बेचने में आसानी हो सके,पेड़ की कटाई के लिए अनुमति जरूरी नहीं है पर पेड़ को बेचने के लिए अनुमति होती है, इस समय सूरजपुर जिले के हर गांव तक यूकेलिप्टस पेड़ की अंधाधुंध कटाई हो रही है और यह पेड़ दूसरे राज्यों में तस्करों द्वारा भेजे जा रहे हैं, यदि कहा जाए तो औने पौने रेट में तस्कर इस पेड़ को काटकर अच्छे दामों पर बाहर बेच रहे हैं, निजी जमीन पर लगे यूकेलिप्टस के पेड़ तो काटे जा ही रहे हैं, साथ ही शासकीय जमीन पर भी लगे यूकेलिप्टस के पेड़ को काटकर तस्कर बेच दे रहे हैं, पर सवाल यह उठता है कि क्या यूको लिफ्ट्स जो शासकीय जमीन पर लगे हुए हैं जिसे लगाने के लिए शासन ने काफी पैसे खर्च किए हैं उस पेड़ को भी वह फ्री में काट कर ले जा रहे हैं, जबकि वह पेड़ अच्छे दामों पर बाहर बेचे जा रहे हैं क्या उस पेड़ की कटाई का पैसा सरकार के खजाने में नहीं जाना चाहिए? क्या यह नियम विरुद्ध तरीके से तस्करी नहीं माना जाएगा?

यूकेलिप्टस के पेड़ कटवाने के लिए दो जिले के रसूखदार व्यक्ति अपने मुनाफे के लिए हुए लकड़ी माफिया के साथ शामिल

यूकेलिप्टस के पेड़ो की कटाई के लिए सुरजपुर जिले के दो रसूखदार एक साथ अन्य राज्य से आए लकड़ी माफिया के साथ शामिल हुए हैं और उसके साथ मिलकर जिले के यूकेलिप्टस साथ ही उसकी ही आड़ में अन्य पेड़ों की कटाई और उसकी लड़की को अन्य राज्यों को सप्लाई कर रहे हैं और अपना मुनाफा बना रहे हैं। केवल मुनाफे के लिए नियम कायदों को वह दरकिनार कर रहे हैं और लगातार सूरजपुर जिले से यूकेलिप्टस के पेड़ो की कटाई जारी है।

आपदा में अवसर की तरह यूकेलिप्टस पेड़ की हो रही कटाई ?

यूकेलिप्टस पेड़ की कटाई आपदा में अवसर जैसी हो गई है क्योंकि जब से यह बात पता चली है कि यूकेलिप्टस का पेड़ पर्यावरण के लिए हानिकारक है, पर इस पेड़ की कीमत आज भी है जो इसे दूसरे राज्यों में बेचकर अच्छा मुनाफा कमाया जा सकता है, और कमाई के लिए ही इस समय सूरजपुर जिले में यूकेलिप्टस के पेड़ की कटाई भी तस्करों द्वारा की जा रही है, बस उनके लिए यह बात आसान हो गया है की कटाई में कोई प्रतिबंध नहीं है, पर शायद उन्हें यह नहीं पता है कि बेचने व बाहर ले जाने के लिए अनुमति होनी आवश्यक है, इस लकड़ी की तस्करी में कहीं ना कहीं शासन भी तस्करों के साथ है, क्योंकि जिस प्रकार से इस लकड़ी की कटाई तस्कर अपने मुनाफा के लिए कर रहे हैं और अच्छा खासा मुनाफा पा रहे हैं, यही वजह है कि दूसरे राज्यों से बुलाकर लकड़ी काटने व ढोने वाले ले जाने वाले को लकड़ी माफिया ने टेंडर दे रखा है। पर मुनाफा तस्कर कमा रहे हैं नुकसान जिले का हो रहा है यहां तक की पेड़ लगाकर बड़े करने वाले को भी इसका भारी भरकम नुकसान हो रहा है, निजी जमीनों के पेड़ तो काटे ही जा रहे हैं जो पेड़ सरकारी खर्चे पर लगाए गए थे उन पेड़ों को भी निशुल्क काटकर लकड़ी माफिया अपना जेब भर रहे हैं।

बिना नंबर प्लेट बिना नियम कायदों की डाला बॉडी वाली ट्रैक्टरों से हो रहा लकड़ियों का परिवहन,कौन करेगा कार्यवाही ?

लकड़ियों का परिवहन जिन ट्रैक्टरों से हो रहा है वह अन्य राज्यों की ट्रेक्टर हैं। ट्रैक्टरों में न तो इंजन का नम्बर है न ही डाला बॉडी का नंबर है। डाला बॉडी का बनावट भी नियम कायदों के विपरीत है जो शायद परिवहन और यातायात विभाग के लिए कार्यवाही का कारण बनना चाहिए। क्षेत्र के जिले के वाहनों पर कार्यवाही करने वाले यातयात विभाग परिवहन विभाग के कर्मचारियों की निगाह इन ट्रैक्टरों पर क्यों नहीं पड़ रही है यह भी सवाल है। इन ट्रैक्टरों पर कौन कार्यवाही करेगा ओवरलोड पर कौन एक्शन लेगा और कौन इनके कागज की जांच करेगा यह भी प्रश्न है। इन ट्रैक्टरों की गति और भार ढोने की क्षमता कितनी होनी चाहिए और कितनी ढोकर यह ला ले जा रहे हैं इसकी जांच कौन करेगा यह भी देखने वाली बात होगी।

पर्यावरण के लिए नुकसान पर यूकेलिप्टस का पेड़ तस्करों के लिए मुनाफे वाला

यूकेलिप्टस का पेड़ पर्यावरण खासकर भू जल स्रोत के लिए सही नहीं माना जाता। यूकेलिप्टस का पेड़ भू जल स्रोतों को नुकसान पहुंचाता है यह सही भी है लेकिन यूकेलिप्टस का पेड़ फिर भी बड़े पैमाने पर लगाया जाता है।कोरिया जिले सहित सूरजपुर जिले में काफी तादाद में यह वृक्ष लगा हुआ था जो अब लकड़ी तस्करों के लिए मुनाफे का कारण बन रहा है। अब लकड़ी तस्कर जो बाहरी हैं वह खुलेआम इसको काट रहे हैं और अन्य राज्यों को भेज रहे हैं।

1 महीने में लगभग सूरजपुर जिले में हजारों की संख्या में काटे गए होंगे यूकेलिप्टस के पेड़

जबसे सूरजपुर जिले में यूकेलिप्टस के पेड़ की कटाई जारी है और उनका जिले से बाहर अन्य राज्यों को भी भेजा जाना जारी है। इस दौरान हजारों पेड़ काटे जा चुके हैं। तस्कर निश्चिंत और बेफिक्र है क्योंकि उसे मिला संरक्षण काफी पहुंचा संरक्षण है। संरक्षण देने वाला उन्हें हर जायज गैरजायज की अनुमति दे रहा है जिसके बाद वह निडर होकर बेफिक्र होकर लकड़ी की कटाई बड़े स्तर ओर कर रहे हैं उन्हें बिना नियम कायदों का सड़क नियमों के वाहन नियमों के पालन के किए बिना बिना नंबर प्लेट के ट्रैक्टरों के ढोकर एक जगह इक्कठा करके अन्य राज्यों को भेज रहे हैं।

न्यायालय अनुविभागीय (रा0) राजपुर, जिला बलरामपुर-रामानुजगंज,छ0ग0

ईश्तहार

क्र मांक /क्यू/आ0वि0अ0/2024
राजपुर, दिनांक 03/01/2024

एतद् द्वारा आम जनता गाम पंचायत परसागुड़ी को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त विषयांतर्गत लेख हैकि संदर्भित पत्र द्वारा आवेदक सियाराम आ0 दुखी यादव, जाति अहीर निवासी ग्राम-चन्द्रगढ़, तहसी-राजपुर जिला बलरामपुर-रामानुजगंज, छ0ग0 द्वारा अपने नाम की भूमि जो ग्राम चन्द्रगढ़ प0ह0नं0-16, रा0नि0मं0 राजपुर, स्थित भूमि स्वामित्व हक की भूमि खसरा नं0-1/83 रकबा हे 0.400 हे0 भूमि को कृषि प्रयोजन से भिन्न व्यवसायिक प्रयोजन में व्यपवर्तन पुननिर्धारण हेतु आवेदन पत्र, मय बी-1, खसरा, नक्शा, विक्रय विलेख, शपथ पत्र, के साथ आवेदन पेश किया है, जो न्यायालय में व्यपवर्तन हेतु विचाराधीन है।

उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति, या संस्था को उजर आपत्ति या दावा हो वह स्वयं या किसी मान्य अधिवक्ता अथिवा वैध अभिकर्ताके माध्यम में अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में दिनांक 17/01/2025 न्यायालयीन समय में पेश कर सकता है। नियत तिथि पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 03/01/2025 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालयीन मुद्रा द्वारा जारी किया गया।

सील
अनुविभागीय अधिकारी (रा0) राजपुर

क्या सोनपुर धान खरीदी केन्द्र में चल रही है प्रबंधक की तानाशाही ?

» उपार्जन केंद्र में हम्माली करने को विवश अन्नदाता कृषकों को नहीं मिल रही किसी प्रकार की सुविधा
» कीसानो से 40 किलो 700 ग्राम की जगह कीसानो से लिया जा जा रहा है 41 किलो 200 ग्राम धान क्यो?
» आखिर कौन है समिति प्रबंधक पर मेहरबान?

-शमरोज खान-
सूरजपुर,08 जनवरी 2025
(घटती-घटना)।

सूरजपुर जिले के भैयाथान ब्लाक अंतर्गत सोनपुर धान खरीदी केंद्र में प्रबंधक द्वारा मजदूरों को काम पर नहीं लगाया गया है, परिणाम स्वरूप केंद्र में धान बेचने आ रहे किसानों को ही विवशता में हम्माली करनी पड़ रही है। मजबूरीवश किसानों को अपने लाए हुए धान को स्वयं ही केंद्र से मिले बारदानों में धान की पलटी कर, सिलाई करके छल्ली लगाना पड़ रहा है, लेकिन जिम्मेदारों ने सब जानने के बाद भी अपनी आंखे बंद रखी हुई है। धान खरीदी के लिए शासन द्वारा जारी किया गया दिशा निर्देश की जानकारी क्षेत्र के किसानों को नहीं होने का पूरा फायदा धान खरीदी प्रबंधक द्वारा उठाया जा रहा है। यहां प्रबंधक के तानाशाही का आलम यह है कि उपार्जन केंद्र में बारदाना और टोकन के लिए किसान घंटो इंतजार करते रहते हैं। सोनपुर धान खरीदी केन्द्र में प्रबंधक द्वारा न तो किसानों के बैठने के लिए व्यवस्था किया है और न ही पीने के पानी की सुविधा की गई है। सोनपुर खरीदी केंद्र में इन तमाम कमियों के कारण किसानों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं इस मामले में अभी तक जिम्मेदार प्रशासन द्वारा गंभीरता से ध्यान नहीं दिया जा रहा है। किसानों ने बताया कि सोनपुर उपार्जन केंद्र में यह समस्या हर साल होती है जिसके कारण हम किसान खुद ही मजदूर व सूजा, सुतली, तौल के लिए कांटा स्वयं लेकर आते हैं और यहां का सारे कार्य करते हैं। किसानों ने बताया ट्रेक्टर से धान उतार कर बारदाना में भरते हैं, उसके बाद खुद ही तौल करते हैं, तौल करने के बाद धान से भरे बारदाने को कंधे पर उठाकर छल्ली लगाते हैं।

प्रबंधक की चल रही तानाशाही

धान की खरीदी के लिए सोनपुर उपार्जन केंद्र में प्रबंधक वीवेक चोरसिया को लगाया गया है, पर इसकी तानासाही रवैया कम नहीं दिख रहा है। जिस वजह से किसानों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। स्थिति यह है कि किसानों को केंद्र में सूजा, सुतली व कांटा तक नहीं मिलता है। उपार्जन केंद्र में धान की खेप लाने वाले किसान स्वयं से सूजा, सुतली, कांटा व मजदूरों लेकर आते हैं, और काफी मशक्कत करने के बाद केंद्र से मिले बारदाना में धान की पलटी कर सिलाई व तौल कर, लाट में छल्ली लगा रहे है। किसानों को कथित प्रबंधक द्वारा किसी प्रकार की सुविधा केन्द्र में नहीं दी जा रही है। यहाँ न तो बैठने की व्यवस्था और न ही पीने के पानी की सुविधा की गई है।

किसानों को नहीं मिल रही सुविधा-

शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर धान क्रय विक्रय के लिए भले ही किसानों के हित में व्यवस्था बनाई गई है, ताकि धान विक्रय के लिए केंद्र में आने वाले किसानों को किसी भी तरह की असुविधा न होने पाए और जिले के कलेक्टर के द्वारा भी सख्त निर्देश दिया गया है कि किसानों को खरीदी केंद्रों में किसी भी तरह की कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। लेकिन सोनपुर उपार्जन केंद्र में किसानों का लगातार शोषण हो रहा है। यहाँ किसानों को किसी तरह की कोई सुविधा नहीं दी जा रही, यहां तक कि पीने का पानी तक किसानों को नहीं मिल पा रहा है। बारदाना व टोकन के लिए भी किसानों को केंद्र में घंटों इंतजार करते हुए परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं किसानों का कहना है कि धान की उपज हमारा है और बिक्री करना है, इसलिए हम लोग उपार्जन केंद्र का सारा कम मजबूरी में स्वयं करते है।

दिशा मैदान के लिए गए महिला से किया गया बलात्कार,आरोपी हुआ गिरफ्तार

- संवाददाता -
कोरबा, 08 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

जिले के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का घटना है। यहां रहने वाली एक महिला शाम को दिशा मैदान के लिए नदी की तरफ गई हुई थी, वह वहां से वापस लौटते वक्त पानी ले रही थी कि इसी दौरान आरोपी महेत्तर केवट पहुंचा,और महिला को पकड़ उसके साथ जबरदस्ती करने की कोशिश की, जब महिला ने अपना बचाव किया और शोर मचाने लगी तब ब्लेड से हमला करने की नीयत से उसके गले पर रख दिया और काट देने की धमकी देकर जबरन शारीरिक संबंध बनाया एवं अनाचार के बाद आरोपी वहां से भाग निकला द्य पीड़िता ने उक्त घटना की जानकारी परिजनों को दी। जिसपर वार्ड पार्षद व परिजन महिला को लेकर थाना पहुंचे और आरोपी के खिलाफ़ घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई गई ,जिसपर पुलिस ने पीड़िता की रिपोर्ट पर आरोपी के विरुद्ध एफआईआर दर्ज क़र आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है ।

रमेश जायसवाल भाजपा से बिलासपुर महापौर पद के प्रबल दावेदार

- संवाददाता -
कोरबा,08 जनवरी 2025
(घटती-घटना)।

न्यायधानी बिलासपुर नगर निगम महापौर के लिए आरक्षण की प्रक्रिया के बाद पिछड़ा वर्ग घोषित होते ही अब प्रत्याशी कौन को लेकर कयासों का बाजार गर्म हैं। शहर के हर पान ठेले, चाय दुकान, गली मोहल्लों के नुक्कड़ पर एक ही चर्चा है, अगला महापौर कौन...

कांग्रेस का तो अब तक पता नहीं, लेकिन भाजपा से सबसे मजबूत दावेदार के रूप में बीजेपी में सक्रिय भूमिका में 1989 से लगातार क़ई महत्वपूर्ण पदों पर आसीन , नगर निगम परिषद में क़ई बार पार्षद के

रमेश जायसवाल का नाम प्रमुखता से लिया जा रहा है। छात्र राजनीति मे अध्यक्ष रहे रमेश जायसवाल 1989 से 1994 तक युवा मोर्चा के वार्ड अध्यक्ष, 1994 से 2000 तक भाजयुमो के जिला महामंत्री रहे हैं। बिलासपुर नगर पालिक निगम में कई बार के पार्षद और मेयर कौंसिल के मेम्बर रहने के साथ शुरु से ही तेज तर्रार कार्यशैली व सभी गुटों से बेहतर तालमेल रखने के कारण रमेश जायसवाल के नाम पर आसानी से सहमति बन जाने की संभावना है । नगर निगम के कामकाज का अच्छा खासा अनुभव भी रमेश के पास है। विधानसभा चुनाव में अपने वार्ड से लीड दिलाने में भी रमेश जायसवाल का रिकॉर्ड रहा है । रमेश जायसवाल उच्चशिक्षित पोस्ट ग्रैजुएट होने के साथ वकालत की शिक्षा एवं पत्रकारिता एवं जनसंचार की डिग्री ली हुई है।

ओ्वर हेड पानी टंकी का निर्माण कार्य बिना इंजिनियर के देखरेख में

- राजेन्द्र शर्मा -
खड़गवां,08 जनवरी 2025
(घटती-घटना)।

» पीएचई के द्वारा निर्मित टंकियों के निर्माण कार्य पर लग रहे हैं प्रश्न चिन्ह
» क्या पानी टंकियों के निर्माण कार्य की जांच होगी
» लाखों रूपए की लागत कि पानी टंकी का निर्माण कार्य सिर्फ मजदूरों के भरोसे क्षेत्र के सारे टंकियों का निर्माण कार्य किया जा रहा है निर्माण सथल पर नहीं आते हैं इंजिनियर
» निर्माण सथल पर सूचना पटल नहीं होने से निर्माण कार्य की जानकारी नागरिकों को नहीं प्राप्त हो रही है

ओवर हेड टंकी निर्माण कार्य मे किसी भी प्रकार के मापदंडों और गुणवत्ता एवं मानक मात्रा की उपलब्ध नहीं है इस विभाग के इंजिनियर के बिना देखरेख में ये ओवर हेड टंकीओ का निर्माण कार्य क्षेत्र में हो रहा है।

केंद्र सरकार की बहुत ही महत्वकांछी योजना जल जीवन मिशन योजना जो ग्रामीणों को पीने के पानी से राहत देने के लिए इस योजना को संचालित करने के लिए बनाया गया है इस योजना के तहत आम ग्रामीणों को घर घर तक पानी पहुचने के लिए इस योजना के तहत ओवर हेड टंकी का निर्माण कार्य कराया जा रहा है। जो अपनी गुणवत्ता पर ही प्रश्न चिन्ह लगा रहे हैं ?

खंडगवा विकास खंड के विभिन्न ग्राम पंचायतो खडगवा मुख्यालय अखराडाड आमाडाड छोटे कलुआ कौडीमार ठगगाव गिद्रमुडी कटकोना कदरेवा आदि में ओवरहेड पानी टंकी का निर्माण कार्य जारी है।जिससे ग्रामीणों के घरों में नल के माध्यम से पेयजल पहुंचाने के लिए इस

निर्माण कार्य को कराया जा रहा है इस निर्माण कार्य में किसी भी तरह की कोई जानकारी या सूचना पटल नहीं है।

ओवरहेड पानी टंकी का निर्माण कार्य सिर्फ मजदूरों के भरोसे कराया जा रहा है निर्माण कार्य करने वाले मजदूर ही इंजिनियर है। इस ओवर हेड टंकी का निर्माण कार्य 6 या 7 मजदूरों के द्वारा निर्माण कार्य कराया जा रहा है इस निर्माण कार्य को कराने के लिए बाहर से मजदूर बुलाए गए हैं यह मजदूर लगभग 25 से 30 फीट की ऊचाई पर जान जोखिम में डाल कर ओवर हेड टंकी निर्माण कार्य को कर रहे हैं। इन मजदूरों के पास किसी भी तरह के निर्माण कार्य करने के लिए सुरक्षा उपकरण नहीं है। इस तरह से निर्माण कार्य कर रहे मजदूरों के साथ कभी भी कोई बड़ी दुर्घटना घट सकती है ।

ओवर हेड पानी टंकी निर्माण में जिस मटेरियल का इस्तेमाल किया जा रहा है वह गुणवत्ता विहीन है इस निर्माण कार्य में इस्तेमाल गिट्टी, रेत,छड़,की गुणवत्ता पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं वही ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों का कहना है कि इस निर्माण कार्य का सूचना पटल नहीं लगाया गया है जिससे ओवर हेड पानी टंकी निर्माण कार्य की जानकारी उपलब्ध नहीं हो रही है कि इस पानी टंकी के निर्माण कार्य की कया लागत है इस पानी टंकी की कया क्षमता है इतयादि उस स्थल और निर्माण कार्य को लेकर कई तरह के सवाल खड़े हो रहे हैं।

डीजल लापरवाही पूर्वक नापजोख करने के मामले में 3 व्यक्ति गिरफ्तार, 80 लीटर डीजल जप्त

- संवाददाता -
सूरजपुर,08 जनवरी 2025
(घटती-घटना)।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने थाना-चौकी प्रभारियों को चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने, आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों पर पैनी नजर रखने एवं सूचना तंत्र को मजबूत करने के निर्देश दिए थे। इसी तारतम्य में दिनांक 08.01.2025 को थाना प्रतापपुर पुलिस को मुखबीर से सूचना मिला कि ग्राम पोड़ी स्थित एक टायर दुकान के पास कुछ व्यक्ति ज्वलनशील पदार्थ डीजल रखकर लापरवाही पूर्वक नापजोख कर रहे है जिससे मानव जीवन के लिए संकट उत्पन्न हो सकता है।

सूचना पर पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए मौके पर पहुंची जहां 3 व्यक्ति क्रमशः विकलेश दोहरे पिता छुन्नूलाल उम्र 24 वर्ष ग्राम चंदौरा, विशाल तिवारी पिता पारसनाथ तिवारी उम्र 20 वर्ष ग्राम अलीनगर, थाना अलीनगर जिला चंदौली उत्तरप्रदेश, कौशल कुशवाहा उर्फ सोनू पिता रामसूरत कुशवाहा उम्र 27 वर्ष ग्राम सरहरी, थाना प्रतापपुर को 80 लीटर डीजल को

लापरवाही पूर्वक पाईप से नापजोख करते मिले जिनसे वैध दस्तावेज की मांग किए जाने पर कोई दस्तावेज पेश नहीं किये। आरोपियों का कृत्य धारा 287, 3(5) बीएनएस का पाए जाने पर 80 लीटर डीजल जप्त कर तीनों को गिरफ्तार किया गया। कार्यवाही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो व एसडीओपी प्रतापपुर नंदिनी ठाकुर के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी प्रतापपुर लक्ष्मण सिंह धुर्वे, प्रधान आरक्षक रजनीश तिवारी व अन्य सक्रिय रहे।

प्रेमिका से बदला लेने जलाया उसका घर,पुलिस ने आरोपी को भेजा जेल

- संवाददाता -
कोरबा,08 जनवरी 2025
(घटती-घटना)।

जिले के पुलिस सहायता केंद्र जटगा क्षेत्र की हटना है, जहाँ एक महिला ने जटगा पुलिस सहायता केंद्र मे उपस्थित होकर दिनांक 6.1.2025 को रिपोर्ट दर्ज कराया की दिनांक 5 /1 /2025 को रोजी मजदूरी करने के लिए वह कटघोरा गई थी। शाम करीब 6-00 बजे वापस आई तो देखी कि इसके घर के अंदर से धुआं निकल रहा है,आग लगी हुई है। नजदीक जाकर देखी तो घर से आरोपी दहराज सिंह मरपश्चि घर से निकलकर भाग रहा था तब यह डर से रात में अपने घर नहीं गई अपने पड़ोसी के यहां सो गई। सुबह घर जाकर देखी आरोपी दहराज घर

के अंदर कपड़ा एवं राशन के समान को जला दिया है की रिपोर्ट दर्ज करने पर जांच किया गया। जिसमें पाया गया कि आरोपी द्वारा प्रार्थीया के चरित्र पर शंका करता था इसी कारण प्रार्थीया इससे शादी करने से इनकार कर दी। इसी बात के रंजिश रखकर आरोपी ने प्रार्थीया के घर को जला देने के नियत से उसके कपड़े एवं राशन सामान को जला देना पाए जाने पर आरोपी दहराज सिंह पिता गोरेलाल मारपची उम्र 24 वर्ष निवासी खोडरी को पुलिस सहायता केंद्र जटगा थाना कटघोरा जिला कोरबा छत्तीसगढ़ अपराध क्रमांक 09/2025 धारा 331 (4)326 (छ)बी एन एस के अंतर्गत दिनांक 7/01/25 को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया जेल।

यातायात नियमों के पालन से आपका व अन्य लोगों का जीवन रहेगा सुरक्षित

- संवाददाता -
सूरजपुर,08 जनवरी 2025
(घटती-घटना)।

सीएसपी ने विद्यार्थियों को यातायात नियमों के बारे में अवगत कराते हुए कहा कि 18 साल से कम उम्र के बच्चे वाहन न चलाएं अन्यथा पकड़े जाने पर परिजनों को परेशानी होगी। सड़क पर वाहन चलाते समय यातायात नियमों का पालन करें। इससे आपका व अन्य लोगों का जीवन सुरक्षित रहेगा। अपने अमूल्य जान-माल की सुरक्षा के लिए यातायात नियमों की पालन अवश्य करें। यह बातें नगर पुलिस अधीक्षक सूरजपुर एस.एस.पैंकरा ने ग्राम खोंपा स्थित हाईस्कूल में आयोजित यातायात जागरूकता कार्यक्रम में छात्रों को कहीं।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री प्रशांत कुमार ठाकुर के निर्देश पर जिले के थाना, चौकी व यातायात पुलिस सहित पुलिस राजपत्रित अधिकारियों के द्वारा नियमित रूप से स्कूल-कालेजों में यातायात जागरूकता के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है। इसी क्रम में मंगलवार, 07 जनवरी 2025 को सीएसपी ने स्कूल के विद्यार्थियों को यातायात नियमों के बारे में जागरूक करते हुए कहा कि 18 साल से कम उम्र के बच्चे वाहन न चलाएं अन्यथा पकड़े जाने पर परिजनों को परेशान होना पड़ेगा। वहीं जो 18 साल से ऊपर के हैं, बाइक चलाते समय हेलमेट और कार चलाते समय सीट बेल्ट का प्रयोग जरूर करें। वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल न करें, क्योंकि इससे हादसे की आशंका अत्यधिक रहती है। डिजिटल अरेस्ट के बारे में अवगत कराते हुए कहा कि डिजिटल अरेस्ट जैसा कुछ नहीं है जालसाज ठगी करने के लिए ऐसा जाल बिछाते है इससे सावधान रहने की जरूरत है। इस अवसर पर स्कूल के प्राचार्य एल.सी.पैंकरा, चौकी प्रभारी करंजी अरूण गुप्ता व स्कूल शिक्षकगण मौजूद रहे।

CMYK

अरावली एरोज ने पलानी टस्कर्स को हराया

कोयंबटूर, 8 जनवरी 2025। कोयंबटूर के कर्पगाम अकादमी ऑफ हायर एजुकेशन में आयोजित युवा कबड्डी सीरीज - डिवीजन 1 में कई आश्चर्यजनक दिन देखने को मिले, जिसमें पलानी टस्कर्स को अपनी पहली हार का सामना करना पड़ा और मुरथल मैग्नेट्स ने अंततः अपनी जीत का सिलसिला तोड़ दिया।दिन की शुरुआत मुरथल मैग्नेट्स द्वारा कर्पागम रेडर्स को 40-32 से हराकर अपनी पहली जीत दर्ज करने के साथ हुई। विनय ने शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए 15 रेड पॉइंट और तीन टैकल पॉइंट का योगदान दिया। रेडर्स के लिए आर. गौतम के 14 रेड पॉइंट के बावजूद, उनके साथियों से समर्थन की कमी के कारण उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

आईसीसी रैंकिंग में हुआ भयंकर बदलाव

- ऋषभ पंत ने किया बड़ा धमाका,
- टेम्बा बावुमा ने रचा इतिहास

मेलबर्न,08 जनवरी 2025। आईसीसी की ओर से नई रैंकिंग जारी कर दी गई है। इस बार भी रेटिंग और रैंकिंग में काफी ज्यादा बदलाव देखने के लिए मिल रहे हैं। खास बात ये है कि भारतीय टीम के स्टार विकेटकीपर ऋषभ पंत ने एक बार फिर से टॉप 10 में वापसी कर ली है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली गई टेस्ट सीरीज के आखिरी मुकाबले में उन्होंने तूफानी पारी खेली थी, जिसक फायदा उन्हें मिलता हुआ नजर आ रहा है। इस बीच साउथ अफ्रीका के टेस्ट कप्तान टेम्बा बावुमा ने तो इतिहास की रच दिया।

जो रूट अभी भी नंबर एक टेस्ट बल्लेबाज, टॉप 5 में नहीं हुआ बदलाव

आईसीसी की ओर से जो नई टेस्ट रैंकिंग सामने आई है, उसके टॉप 5 में बार भी बदलाव नहीं हैं, लेकिन इसके बाद जबरदस्त उलटफेर देखने के लिए मिल रहे हैं। इंग्लैंड के जो रूट अभी भी नंबर वन की कुर्सी पर अपना कब्जा बनाए हुए हैं। उनकी रेटिंग इस वक्त 895 की है। इंग्लैंड के ही हैरी ब्रूक भी दूसरे नंबर पर जमे हुए हैं। उनकी रेटिंग 876 की है। न्यूजीलैंड के केन विलियमसन की बात करें तो वे 867 की रेटिंग के साथ नंबर 3 पर हैं। भारत के यशस्वी जायसवाल 847 की रेटिंग के साथ अभी भी नंबर चार की कुर्सी पर बरकरार हैं। वहीं ट्रेविस हेड नंबर 5 पर हैं। उनकी रेटिंग 772 की है। यानी यहां टॉप 5 में कोई भी बदलाव देखने के लिए नहीं मिल रहे हैं।

टेम्बा बावुमा ने मारी लंबी छलांग,ऑलटाइम हाई रेटिंग

इस बीच साउथ अफ्रीका के टेस्ट कप्तान टेम्बा बावुमा ने लंबी छलांग मारी है। उन्हें इस बार की रैंकिंग में 3 स्थानों का उछाल मिला है। वे अब 769 की रेटिंग के साथ नंबर 6 पर पहुंचने में कामयाब हो गए हैं। ये उनकी ऑलटाइम हाई रैंकिंग और रेटिंग भी हैं। ये उनके लिए बड़ी उपलब्धि है। टेम्बा बावुमा की कप्तानी में ही साउथ अफ्रीका ने पाकिस्तान को लगातार दो टेस्ट मैच हराकर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में अपनी जगह पक्की की है।

ऋषभ पंत को फायदा, स्टीव स्मिथ को नुकसान

इस बीच श्रीलंका के कामेंदु मेंडिस की बात करें तो उन्हें भी एक स्थान का उछाल मिला है। वे अब 759 की रेटिंग के साथ नंबर 7 पर पहुंच गए हैं। हालांकि स्टीव स्मिथ को हल्का सा नुकसान हुआ है। वे अब एक स्थान नीचे यानी नंबर 8 पर पहुंच गए हैं। उनकी रेटिंग 746 की है। भारत के ऋषभ पंत ने एक बार फिर से टॉप 10 में अपनी जगह बना ली है। उन्हें इस बार तीन स्थानों का उछाल मिला है। वे 739 की रेटिंग के साथ नंबर 9 पर पहुंच गए हैं। न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल 725 की रेटिंग के साथर नंबर 10 पर बने हुए हैं।

टीम इंडिया के 3 खिलाड़ियों को लेकर सस्पेंस

किसी का भी कट सकता है पत्ता

नई दिल्ली,08 जनवरी 2025। चैंपियंस ट्रॉफी करीब आ रही है। इसके साथ ही इंतजार इस बात का भी किया जा रहा है कि टीम इंडिया के वे कौन से धुरंधर होंगे, जो इस बड़े आईसीसी टूर्नामेंट में खेलते हुए नजर आएंगे। आईसीसी ने पहले ही 12 जनवरी की तारीख तय कर दी है, तब तक सभी टीमों को अपने अपने स्क्वाड का ऐलान करना है। भारत की सेलेक्शन कमेटी जब टीम को चुनने के लिए बैठेगी, तो उन्हें काफी ज्यादा माथापच्ची करनी होगी। ये काम इतना आसान नहीं होने वाला। खास तौर पर भारत के लिए तीन खिलाड़ी ऐसे हैं, जिनको लेकर सस्पेंस है और उसमें से कौन टीम में अपनी जगह बना पाएगा, इससे पर्दा उठना बाकी है।

विश्व कप 2023 के बाद से अब तक भारत ने नहीं खेले हैं ज्यादा वनडे मैच

साल 2023 में भारत में खेले गए वनडे वर्ल्ड कप के बाद से टीम इंडिया ने ज्यादा वनडे मुकाबले खेले ही नहीं हैं। जो खेले भी हैं, उसमें प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है। पिछले साल यानी 2024 में भारत ने तीन वनडे मैच खेले और एक भी मुकाबला जीत नहीं पाई। हालांकि इससे पहले रोहित शर्मा और विराट कोहली को लेकर भी सवाल उठ रहे थे, लेकिन अब ये तय सा नजर आ रहा है कि ये दोनों ही खिलाड़ी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में खेलते हुए दिखाई देंगे। लेकिन अब पीटीआई के हवाले से खबर सामने आई है, उसमें कहा जा रहा है कि केएल राहुल, मोहम्मद शमी और रविंद्र जडेजा के लिए टीम में जगह पक्की नहीं है। खास बात ये है कि ये तीनों ही खिलाड़ी वनडे विश्व कप की टीम में शामिल थे।

मोहम्मद शमी,रवींद्र जडेजा और केएल राहुल को लेकर सवाल

वनडे विश्व कप 2023 के दौरान ही मोहम्मद शमी चोटिल हो गए थे, इसलिए वे तब से लेकर अब तक टीम से बाहर हैं। वहीं बात अगर रवींद्र जडेजा की करें तो उन्होंने तब से लेकर कोई भी वनडे भारत के लिए नहीं खेला है। उन्हें आराम दिया गया है या फिर वे टीम से बाहर हैं, इसको लेकर कुछ पक्के तौर पर नहीं कहा जा सकता। बात अगर केएल राहुल की करें तो वनडे विश्व कप के बाद ज ब टीम इंडिया ने साउथ अफ्रीका का दौरा किया था, तब राहुल टीम में थे, लेकिन श्रीलंका के खिलाफ सीरीज के बीच से वे अपनी जगह खो बैठे। ऐसे में राहुल की वापसी हो पाएगी कि नहीं, ये देखना दिलचस्प होगा। राहुल को लगातार इस बात को लेकर घेरा जाता है कि वे धीमी बल्लेबाजी करते हैं। टेस्ट में तो वे खुद को फिट साबित कर चुके हैं, लेकिन वनडे में धीमी बल्लेबाजी टेंशन का सबब बन जाती है।

ऋषभ पंत होंगे चैंपियंस ट्रॉफी में विकेट कीपर ही पहली च्वाइस

इस बीच केएल राहुल के लिए दिक्कत ये भी है कि अब ऋषभ पंत की वापसी हो चुकी है। वनडे विश्व कप 2023 में टीम के साथ नहीं

थे। लेकिन अब वे फिट हैं तो पूरी उम्मीद है कि वे ही चैंपियंस ट्रॉफी में पहली च्वाइस के विकेटकीपर होंगे। अगर पंत फिट हैं और खेलते हैं तो फिर वैसे भी राहुल के लिए जगह नहीं बन पाएगी। वहीं टॉप आर्डर में माना जा रहा है कि यशस्वी जायसवाल खेलते हुए दिखाई दे सकते हैं। टी20 और टेस्ट में अपनी उपयोगिता साबित कर चुके यशस्वी जायसवाल को अभी तक भारत के लिए वनडे खेलने का मौका नहीं मिला है। अब हो सकता है कि यशस्वी जायसवाल वनडे टीम में चैंपियंस ट्रॉफी में खेलते हुए दिखाई दें। रोहित शर्मा और शुभमन गिल के अलावा यशस्वी जायसवाल को सकते हैं तीसरे ओपनर चैंपियंस ट्रॉफी में वैसे तो रोहित शर्मा के साथ शुभमन गिल ओपनिंग करते हुए दिखाई दे सकते हैं, लेकिन बैकअप ओपनर के तौर पर शुभमन गिल को भी मौका मिलने की संभावना है। वैसे भी शुभमन गिल का फार्म इस वक्त उस तरह का नहीं चल रहा है, जैसा होना चाहिए। इसलिए अगर शुभमन ठीक बल्लेबाजी नहीं कर पाए तो प्लेइंग इलेवन में यशस्वी जायसवाल को भी मौका दिया जा सकता है। हो सकता है कि इसीलिए चैंपियंस ट्रॉफी में जायसवाल को लेकर जाने की बात हो रही हो।

ईशान किशन और संजू सैमसन में से किसी एक को दिया जा सकता है मौका

ऋषभ पंत के अलावा अगर बैकअप विकेट कीपर को ले जाना है तो फिर ईशान किशन और संजू सैमसन भी एक मजबूत दावेदार हैं। ईशान किशन तो पिछले लंबे अर्से से भारतीय टीम से बाहर चल रहे हैं, लेकिन संजू सैमसन लगातार टी20 टीम का हिस्सा हैं और प्रदर्शन भी बेहतर कर रहे हैं। यानी अगर ऐसी बात होती हैं तो संजू सैमसन का दावा सबसे ज्यादा मजबूत माना जा सकता है। इसके अलावा बात अगर रवींद्र जडेजा की करें तो उनके खेल का लेकर लगातार सवाल उठते रहे हैं। ऐसे में अगर उनका पत्ता कटता है तो अक्षर पटेल एक बेहतर विकल्प हो सकते हैं। वहीं वॉशिंगटन सुंदर का भी सेलेक्शन करीब करीब पक्का है। रवींद्र जडेजा वैसे भी टी20 इंटरनेशनल से रिटायर हो चुके हैं।

शमी की वापसी पर से पर्दा उठना अभी बाकी

सबसे रोचक मामला मोहम्मद शमी को लेकर है। वे साल 2023 के वनडे विश्व कप के बाद से अभी तक वापसी नहीं कर पाए हैं। वे घरेलू क्रिकेट तो खेल ही चुके हैं, लेकिन अभी तक उनकी फिटनेस को लेकर सवाल उठ रहे हैं। एनसीए की ओर से भी उन्हे हरी झंडी नहीं दी गई है। इस बीच पेंच ये फंसा है कि जसप्रीत बुमराह को लेकर अभी तक तस्वीर साफ नहीं है कि वे चैंपियंस ट्रॉफी खेल पाएंगे कि नहीं। अगर जसप्रीत बुमराह बाहर होते हैं तो फिर मोहम्मद शमी का टीम में होना जरूरी है। उम्मीद है कि जल्द ही इस पूरे मामले पर से पर्दा उठ जाएगा और सारी तस्वीर भी साफ हो जाएगी।

चैंपियंस ट्रॉफी टीम में चयन के दावेदार- रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, केएल राहुल, ऋषभ पंत, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, वरुण चक्रवर्ती या रवि बिश्नोई, वॉशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, आवेश खान या मोहम्मद शमी, रिंकू सिंह या तिलक वर्मा

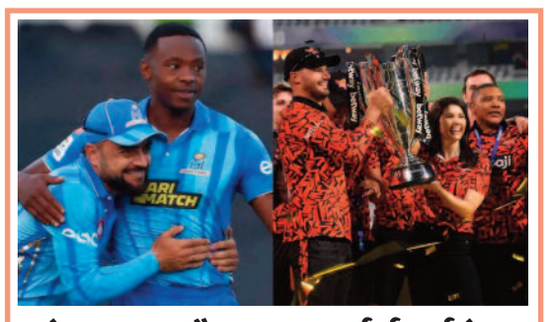

केप टाउन और सनराइजर्स ईस्टर्न केप के बीच आज खेला जाएगा पहला मैच

सेंट जॉर्ज पार्क,08 जनवरी 2025। साउथ अफ्रीका की टी20 लीग एसए 20 की शुरुआत 9 जनवरी से हो रही है। इस टूर्नामेंट का पहला मुकाबला एमआई केप टाउन और सनराइजर्स ईस्टर्न केप के बीच खेला जाएगा। यह मैच साउथ अफ्रीका के सेंट जॉर्ज ओवल स्टेडियम में खेला जाएगा। टूर्नामेंट के लिए सभी टीमें पूरी तरह से तैयार नजर आ रही हैं। पिछले सीजन की चैंपियन टीम सनराइजर्स ईस्टर्न केप और एमआई केप टाउन अपने पहले ही मैच से लय को हासिल करना चाहेगी। ऐसे में दोनों टीमों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिल सकती है।

एसए20 2025 के लिए दोनों टीमों का स्क्वॉयड

एमआई केप टाउन: राशिद खान (अफगानिस्तान), बेन स्टोक्स (इंग्लैंड), कागिसो रबाडा, ट्रेंट बोल्ट (न्यूजीलैंड), अजमतुल्लाह उमरजई (अफगानिस्तान), डेवाल्ड ब्रेविस, रयान रिकेलटन, जॉर्ज लिंडे, नुवान तुषारा (श्रीलंका), कॉनर एस्टरहुइजन, डेलानो पोटगीटर, रासी वेन डेर डुसेन, थॉमस काबर, क्रिस बेंजामिन (इंग्लैंड), कॉर्बिन बॉश, कॉलिन इनग्राम, रीजा हेंड्रिक्स, डेन पीट्ट, ट्रिस्टन लुस।

सनराइजर्स ईस्टर्न केप: एडेन मार्कराम, जैक क्रॉली (इंग्लैंड), रूलोफ वैन डेर मेरवे (नीदरलैंड्स), लियाम डॉसन (इंग्लैंड), ओटनील बार्टमैन, मार्को जेनसन, बेयर्स स्वानपेल, कालेब सेलेका, ट्रिस्टन स्टब्स, जॉर्डन हरमन, पैट्रिक क्रूगर, क्रेग ओवरटन (इंग्लैंड), टॉम एबेल (इंग्लैंड), साइमन हार्मर, एंडिले सिमलेन, डेविड बेडिंघम, ओकुहले सेले, रिचर्ड ग्लीसन (इंग्लैंड), डेनियल स्मिथ।

न्यूजीलैंड ने वनडे सीरीज में ली अजेय बढ़त

साल 2020 से अब तक घर पर है टीम इंडिया से भी बेहतर रिकॉर्ड

हेमिल्टन,08 जनवरी 2025। न्यूजीलैंड की टीम ने घर पर श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में अपने शानदार प्रदर्शन को जारी रखते हुए हेमिल्टन में खेले गए सीरीज के दूसरे मुकाबले को 113 रनों से अपने नाम किया और 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। बारिश की वजह से दोनों टीमों के बीच ये मुकाबला 37-37 ओवर्स का खेला गया था, जिसमें कीवी टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 37 ओवर्स में 9 विकेट के नुकसान पर 255 रनों का स्कोर बनाया था, जिसमें रचिन रवींद्र ने 79 तो वहीं मार्क चैपमैन ने 62 रनों की पारी खेली थी, वहीं टारगेट का पीछा करते हुए श्रीलंकाई टीम 30.2 ओवर्स में 142 रन बनाकर सिमट गई।

विलियम ओ रुर्के और जैकब डफी ने गेंद से दिखाया कमाल

श्रीलंका की टीम को इस मुकाबले में 256 रनों का टारगेट मिला था जिसमें उन्होंने 22 के स्कोर तक ही

अपने 4 विकेट गंवा दिए थे, जिसके बाद कामेंदु मेंडिस ने एक छोर से पारी को संभालने का प्रयास तो किया लेकिन दूसरे छोर से उन्हें उम्मीद के अनुसार साथ नहीं मिला और लगातार अंतराल पर श्रीलंकाई टीम के विकेट गिरने का सिलसिला देखने को मिला। मेंडिस के बल्ले से जरूर 66 गेंदों में 64 रनों की पारी देखने को मिली लेकिन इसके अलावा श्रीलंका टीम के 7 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा तक पार करने में कामयाब नहीं हो सके। वहीं कीवी टीम की तरफ से गेंदबाजी में विलियम रुर्के ने 6.2 ओवर्स में 31 रन देने के साथ तीन विकेट अपने नाम किए तो वहीं जैकब डफी 2 विकेट लेने में कामयाब रहे। मैट हेनरी, नाथन स्मिथ और कप्तान मिचेल सेंटनर भी 1-1 विकेट हासिल करने में कामयाब रहे।

न्यूजीलैंड का घर पर साल 2020 से वनडे में है काफी बेहतर रिकॉर्ड

कीवी टीम का घर पर वनडे फॉर्मेट में साल 2020 से अब तक काफी बेहतर रिकॉर्ड देखने को मिला है, जिसमें उन्होंने इस दौरान कुल 19 मुकाबले खेले हैं, जिसमें से 16 को जहां वह अपने नाम करने में कामयाब रहे हैं तो वहीं एक में उनको हार का सामना करना पड़ा है, इसके अलावा 2 मैच रद्द हो गए। बाकी किसी भी टीम का इस दौरान घर पर वनडे में न्यूजीलैंड से बेहतर रिकॉर्ड देखने को नहीं मिला है। टीम इंडिया ने इस दौरान घर पर 35 वनडे मैच खेले हैं, तो उसमें से उन्होंने 28 में तो जीत दर्ज की है लेकिन 7 में उन्हें हार का भी सामना करना पड़ा है।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से पहले अफगानिस्तान का बड़ा दांव

इस वर्ल्ड चैंपियन को बना दिया मेंटर

अफगानिस्तान,08 जनवरी 2025। चैंपियंस ट्रॉफी की तैयारी अब टीमों ने शुरू कर दी है। आईसीसी की ओर से इसका शेड्यूल पहले ही जारी कर दिया गया है। पहला मुकाबला 19 जनवरी को खेला जाएगा। हालांकि अभी तक इंग्लैंड को छोड़कर बाकी किसी टीम के स्क्वाड का ऐलान नहीं किया गया है। इस बीच अफगानिस्तान क्रिकेट टीम ने एक बड़ा दांव खेल दिया है। चैंपियंस ट्रॉफी जीत चुके और अपनी कप्तानी में ही टी20 वर्ल्ड विजेता को टीम का नया मेंटर बनाया गया है। हम बात कर रहे हैं पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान यूनिस खान की। माना जा रहा है कि यूनिस खान केवल चैंपियंस ट्रॉफी के लिए ही मेंटर की भूमिका में नजर आएंगे।

यूनिस खान होंगे चैंपियंस ट्रॉफी के लिए अफगानिस्तान के मेंटर

पाकिस्तान के पूर्व कप्तान यूनिस खान आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में अफगानिस्तान के मेंटर के रूप में काम

करेंगे। क्रिकबज की एक रिपोर्ट के अनुसार अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अधिकारी ने बुधवार को इस बात की पुष्टि कर दी है।

जल्द ही पूरी टीम का किया जाएगा ऐलान

अफगानिस्तान की टीम चैंपियंस ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और साउथ अफ्रीका के कठिन ग्रुप में है, जहां उसके लिए एक जीत भी बड़ी बात होगी। अफगानिस्तान की टीम का पहला मुकाबला 21 फरवरी को साउथ अफ्रीका से होगा। इसके बाद टीम 26 फरवरी को इंग्लैंड से भिड़ेगी और आखिरी लीग मैच में उसका सामना ऑस्ट्रेलिया से 28 फरवरी होना है। हालांकि अभी तक अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने टीम का ऐलान तो नहीं किया है, लेकिन माना जा रहा है कि 12 जनवरी से पहले पहले पूरी टीम घोषित कर दी जाएगी।

अजय देवगन की आजाद का ट्रेलर जारी

वफादार घोड़े की कहानी देखने के लिए बेताब हुए दर्शक

अभिनेता अजय देवगन को पिछली बार फिल्म नाम में देखा गया था, जिसमें उनकी अदाकारी की खूब तारीफ तो हुई, लेकिन यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी।आने वाले समय में अजय कई फिल्मों में नजर आएंगे। इन्हीं में से एक फिल्म आजाद है। हाल ही में निर्माताओं ने फिल्म का नया पोस्टर साझा किया था, जिसमें अजय समेत तमाम सितारों की झलक दिखी।आखिरकार अब आजाद का ट्रेलर रिलीज हो गया है।आजाद की कहानी की

बात करें तो इस फिल्म में अजय एक कुशल घुड़सवार की भूमिका में नजर आएंगे, जिसका अपने घोड़े से गहरा संबंध है।कहानी में दिलचस्प मोड़ तब आता है, जब अजय का सामना अंग्रेजी सेनाओं से होता है और अराजकता के दौरान उनका प्रिय घोड़ा गायब हो जाता है।इसके बाद खोए हुए घोड़े को खोजने की जिम्मेदारी अमन देवगन के किरदार पर आती है। ट्रेलर में अजय की अदाकारी की खूब तारीफ हो रही है।अजय की फिल्म आजाद 17 जनवरी, 2025 में सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है। बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म का सामना कंगना रनौत और अनुपम खेर की फिल्म इमरजेंसी से होगा।आजाद में डायना पेंटी, मोहित मलिक और पीयूष मिश्रा जैसे कलाकार भी अभिनय करते नजर आने वाले हैं।इस फिल्म के निर्देशन की कमान चंडीगढ़ करे आशिकी और काई पो चे के निर्देशक अभिषेक कपूर ने संभाली है। रोनी स्क्रूवाला इस फिल्म के निर्माता हैं।फिल्म आजाद कई मायनों में खास है। इस फिल्म के जरिए दिग्गज अभिनेत्री रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी अभिनय की दुनिया में कदम रखने जा रही हैं।फिल्म में राशा की जोड़ी अजय के भांजे अमन देवगन के साथ बनी है, जिसे पहली बार देखा जाएगा। अमन के करियर की भी यह पहली फिल्म है।राशा, अजय और अमन की तिकड़ी देखने के लिए दर्शक बेताब हैं। फिल्म के कई गाने और पोस्टर पहले ही रिलीज हो चुके हैं।आजाद के बाद अजय कई फिल्मों के सीक्वल में नजर आएंगे। इन दिनों वह रेड 2 की शूटिंग में व्यस्त हैं। फिल्म 1 मई, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। रितेश देशमुख और वाणी कपूर भी फिल्म का हिस्सा हैं।

अक्षय कुमार की भांजी सिमर भाटिया अभिनय की दुनिया में कदम रखने को तैयार

अभिनेता अक्षय कुमार की भांजी सिमर भाटिया अभिनय की दुनिया में कदम रखने जा रही हैं। काफी समय से वह अपनी पहली फिल्म इक्कीस को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। इस फिल्म में सिमर की जोड़ी अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा के साथ बनी है। द आर्चीज के बाद यह उनके करियर की दूसरी फिल्म है। इक्कीस सिमर और अगस्त के बीच पहला सहयोग है, जिसे लेकर दर्शक काफी उत्साहित हैं। आइए बताते हैं आखिर सिमर कौन हैं। सिमर अभिनेता अक्षय की बहन अलका भाटिया की बेटी हैं। अलका भी जानी-मानी फिल्म निर्माता हैं।वह अब तक अपने भाई अक्षय के साथ कई फिल्में बना चुकी हैं, जिनमें हॉलिडे, रुस्तम, एयरलिफ्ट, केसरी और अन्य शामिल हैं। हालांकि, वो मीडिया के कैमरों से हमेशा दूर रही हैं।बता दें कि सिमर सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उन्हें 13 हजार से ज्यादा लोग फॉलो करते हैं। वह अपनी बोल्डनेस के लिए भी जानी जाती हैं।सिमर एक बाहरी की तरह बॉलीवुड में कदम रख रही हैं। यही वजह है कि उनकी पहली फिल्म को लेकर पहले कोई हो-हल्ला नहीं हुआ।इक्कीस के निर्देशन की कमान श्रीराम राघवन ने संभाली है। जयदीप अहलावत और धर्मेंद्र भी इस फिल्म का अहस हिस्सा हैं।अगस्त्य फिल्म में अरुण खेत्रपाल का किरदार निभाते नजर आएंगे और धर्मेंद्र फिल्म में उनके पिता की भूमिका निभा रहे हैं।यह फिल्म 10 जनवरी, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

25 साल बाद री-रिलीज हो रही मास्टरपीस फिल्म कहो ना...प्यार है

ऋतिक रोशन 10 जनवरी को अपना 51 बर्थडे सेलिब्रेट करने वाले हैं। उसके पहले ही उन्होंने अपना फैंस को ऐसा सरप्राइज दिया है जिससे उनके फैंस का दिल खुश हो गया। ऋतिक ने हाल ही में अनाउंस किया कि उनकी आईकॉनिक फिल्म कहो ना प्यार है थिएटर्स में री-रिलीज होने जा रही है। ऋतिक रोशन और अमीषा पटेल की आईकॉनिक फिल्म कहो ना प्यार है उनके बर्थडे पर यानि 10 जनवरी को थिएटर्स में री- रिलीज होने जा रही है। ऋतिक रोशन ने हाल ही में अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिल्म की झलक शेयर करते हुए लिखा, हम कहो ना प्यार है कि री लॉन्चिंग करने जा रहे हैं। बता दें कहो ना प्यार है 14 जनवरी 2000 में रिलीज हुई थी इसे राकेश रोशन ने डायरेक्ट किया था और यशराज फिल्म्स ने प्रोड्यूस किया था। रोहित और सोनिया की इस लव स्टोरी को लोगों ने खूब पसंद किया था और वे फिर थिएटर्स में अपना जादू बिखेरने के लिए तैयार हैं। फिल्म की री-रिलीज को लेकर ऋतिर और अमीषा के फैंस काफी खुश हैं। वहीं ऋतिक रोशन भी अपनी फिल्म की स्पेशल स्क्रीनिंग में शामिल होने जा रहे हैं। इसे लेकर फैंस के बीच काफी दुगनी एक्साइटमेंट हो गई है क्योंकि वे ऋतिक के साथ बैठकर उनकी फिल्म देखने वाले हैं। यह फिल्म 10 जनवरी से पीवीआर आईनॉक्स में स्क्रीनिंग के लिए उपलब्ध होगी। फिल्म की री-रिलीज के बारे में बात करते हुए ऋतिक रोशन ने अपना एक्साइटमेंट शेयर करते हुए लिखा, आप सभी का प्यार मुझे तक पूछ गया है, फिल्म इडस्ट्री में मेरे 25 साल इतने शानदार बनाने के लिए धन्यवाद. कहो ना...प्यार है के प्रीमियर का आयोजन करने के लिए बहुत बहुत धन्यवाद, 9 जनवरी को आप सभी से मिलूंगा !.

CMYK

अब लेआउट पास कराना हुआ महंगा

» शुल्क में की गई बेतहाशा वृद्धि

» फाइल के साथ अब न्यूनतम 10 से 60 हजार जमा करना होगा

रायपुर,08जनवरी 2025(ए)। राज्य में अब किसी भी भूखंड में निर्माण के लिए लेआउट पास कराना महंगा पड़ेगा। आवास पर्यावरण विभाग ने इसके शुल्क में कई गुना वृद्धि कर दिया है। अब यह शुल्क भूखंड के आकार (क्षेत्रफल) के अनुसार देना होगा। अब तक किसी भी भूखंड के लिए 3750 रूपए का शुल्क लेआउट प्लान के साथ देना होता था। जो बढ़ाने के बाद न्यूनतम 60 हजार रूपए कर दिया गया है। इस वृद्धि से जहां सरकार को बड़ा राजस्व मिल रहा है। मगर आम लोगों पर इससे आर्थिक बोझ बढ़ेगा।

आवेदन के साथ जमा करना होगा शुल्क

आवास पर्यावरण विभाग ने छत्तीसगढ़ नगर तथा ग्राम निवेश अधिनियम, 1973 के तहत छत्तीसगढ़ भूमि विकास नियम, 1984 में इस संबंध में एक बड़ा संशोधन किया है। इसके मुताबिक ले आउट के प्रत्येक आवेदन शुल्क के साथ होगा तथा ऐसे भुगतान की पावती की एक अभिप्रमाणित प्रति आवेदन के साथ संलग्न की जाएगी। ऐसी किसी पावती के बिना प्राप्त कोई आवेदन विधिमान्य नहीं समझा जाएगा और इसलिए खारिज किया जाएगा।

नियमों का पालन नहीं हुआ तो होगी कड़ी कार्यवाही

इसी तरह से कुछ नए नियम जोड़े गए हैं। इसके तहत इन नियमों के उपबन्धों का उल्लंघन अथवा विचलन करने की स्थिति में भवनों को सील करने की कार्यवाही की जा सकेगी। भुखंड के क्षेत्रफल 12.5 मीटर तथा 21 मीटर के स्थान पर पुर्णांक राउंड फिगर में 15 मीटर तथा 24 मीटर किया गया है। इसके लिए शुल्क 30 प्रतिशत के स्थान पर 40 प्रतिशत किया गया है। नगर विकास योजना या योजनाओं हेतु विकास विनियमन में निर्धारित मापदण्ड अनुसार अभिन्यास या उप-विभाग में सामुदायिक खेल स्थल मनोरंजन प्रयोजन के लिए आरक्षित रखे जाएंगे। औद्यागिक क्षेत्र में भूमि के किसी प्लाट, ले-आउट अथवा उप खण्ड में छात्रावास एवं डॉरमेट्री अनुज्ञेय होंगे। नियम 50 के एफएआर एवं भूतल आच्छादित क्षेत्र (ग्राऊण्ड कव्हरेज) सम्पूर्ण भूमि पर विकलनीय होगा।09/15 मीटर खुले क्षेत्र में, नाले की सीमा / उच्चतम बाढ़ चिन्ह से ऊपर मार्ग एवं खुली पार्किंग की गतिविधियाँ स्वीकार्य होगी। जिसमें खुली पार्किंग में कव्हर्ड पार्किंग किसी भी परिस्थिति में स्वीकार्य नहीं होगी।100 मीटर या उससे अधिक चौड़ाई वाले पहुंच मार्ग पर, 5 एकड़ या उससे अधिक क्षेत्रफल वाले वाणिज्यिक भूखण्डों के प्रकरणों में 5.0 तलक्षेत्र अनुपात अनुज्ञेय होगा। ऐसी स्थिति में जहां ऐसे वाणिज्यिक भूखण्ड केन्द्रीय व्यापारिक जिला केन्द्र (सी.बी.डी.) अथवा ट्रांजिट ओरिएटेड डेव्हलपमेंट (टी. ओ.डी.), जैसा कि संबंधित विकास योजनाओं में परिभाषित किया गया हो, में स्थित हो, 2.0 अतिरिक्त तलक्षेत्र अनुपात अनुज्ञेय होगा।

आवेदन शुल्क आवेदन, शुल्क के साथ होगा, जो कि निम्नानुसार होगा। विकास अनुज्ञा के लिए रु. 5000 प्रति हैक्टेयर शुल्क अथवा क्षेत्र को निकटतम पूर्णांक में पूर्णांकित करते हुए गणना की जाएगी । उदाहरण के लिए 1.499 हैक्टेयर को 1 हैक्टेयर माना जायेगा तथा 1.5 हैक्टेयर को 2 हैक्टेयर माना जाएगा। भवन अनुज्ञा के लिए प्रस्तावित निर्मित क्षेत्र का 1 रु. प्रति वर्ग मीटर देय होगा।जो आवेदन शुल्क किसी भी दशा में वापस नहीं किया जाएगा। नगर निवेषक किसी अनुज्ञा को निलंबित या प्रतिसंहृत कर सकेगा यदि उसके पास यह विश्वास करने का कारण हो कि ऐसी अनुज्ञा मिथ्या कथन अथवा दुरभावना के आधार पर प्राप्त की गई हो अथवा अनुज्ञा में अधिरोपित शर्तों का उल्लंघन किया गया हो अथवा अधिनियम अथवा उसके अधीन निर्मित नियमों के उपबंधों का पालन नहीं किया गया हो। परंतु यह कि ऐसा कोई आदेश तब तक पारित नहीं किया जाएगा जब तक कि ऐसे व्यक्ति को जिसने कि अनुज्ञा प्राप्त की हो, सुनवाई का एक अवसर प्रदान न कर दिया गया हो।

परंतु यह और कि प्रतिसंहरण अथवा निलंबन का ऐसा आदेश बातिल हो जाएगा यदि आवेदक अधिनियम अथवा नियम अथवा अनुज्ञा में अधिरोपित शर्तों का पालन कर देता है। तथापि, जहां अनुज्ञा मिथ्या कथन अथवा किसी सारवान तथ्य के किसी दुर्व्यपदेशन के आधार पर प्राप्त की गई हो तो प्रतिसंहरण का ऐसा आदेश बातिल नहीं किया जाएगा।

अब आसान नहीं होगा धर्मांतरण

रायपुर,08जनवरी 2025(ए)। छत्तीसगढ़ में अब किसी एक धर्म से दूसरे धर्म में जाना आसान नहीं होगा। इसके लिए पूरी प्रक्रिया और नियम कानून का पालन करने के बाद धर्म बदला जा सकेगा। इसके लिए छत्तीसगढ़ सरकार धर्म स्वातंत्र्य कानून बनाने जा रही है। इसमें नियमों का उल्लंघन या जबरिया धर्म परिवर्तन कराने वाले को कड़ी सजा का प्रावधान किया जाएगा। छत्तीसगढ़ में फिलहाल ऐसा कोई नियम नहीं है, जिसमें धर्मांतरण की प्रक्रिया को वैधानिकता प्रदान की जा सके। किसी धर्म के अनुयायी के कहने पर लोग दूसरे धर्म को स्वीकार कर लेते हैं और उनकी पूजा पद्धति अपनाकर अपने आपको उस धर्म का अनुयायी कहने लगते हैं। इसलिए धर्मांतरण की पूरी प्रक्रिया को एक नियम के दायरे में लाया जा रहा है। इस नियम के बाहर जाकर कोई धर्म बदलेगा तो उसको कानूनी मान्यता नहीं दी जाएगी। इसके अलावा प्रलोभन या दबाव डालकर धर्म परिवर्तन करने वाले को दोषी मानते हुए उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। विभिन्न राज्यों में इस संबंध में बनाए गए नियम कानून का फिलहाल छत्तीसगढ़ का गृह विभाग अध्ययन कर रहा है। जिन राज्यों में बेहतर कानून है उसके प्रावधान यहां लागू किए जाएंगे।

प्रदेश की संक्षिप्त खबरें

नौकरीपेशा लोगों के लिए बड़ी राहत की उम्मीद

टैक्स में राहत और खपत बढ़ाने पर है सरकार का फोकस

रायपुर,08 जनवरी 2025(ए)।आगामी वित्तीय वर्ष 2025-26 का बजट मध्यम वर्ग और नौकरीपेशा लोगों के लिए राहत लेकर आ सकता है। वित्त मंत्रालय ने इस बार खपत बढ़ाने और देश की आर्थिक गति को तेज करने के लिए टैक्स में कटौती के कई सुझावों पर विचार किया है। इसके साथ ही, ग्रामीण अर्थव्यवस्था, कल्याणकारी योजनाओं और कृषि क्षेत्र को प्रोत्साहन देकर खपत को बढ़ावा देने का प्रयास भी किया जाएगा। इस बार का बजट विकसित राष्ट्र के विजन पर केंद्रित होगा।

आरक्षण होते ही बड़े-बड़े दावेदारों के हौसले हुए पस्त

बालोद,08 जनवरी 2025(ए)। नगर पालिका बालोद के लिए सामान्य महिला सीट आरक्षित होते ही अध्यक्ष बनने के बड़े-बड़े दावेदारों के ख्वाब स्वाहा हो गए हैं। जैसे ही आरक्षण की जानकारी मिली बालोद में चर्चाओं का दौर भी शुरू हो गया। सामान्य महिला सीट में दावेदारों को लेकर कांग्रेस और भाजपा दोनों में चिंतन मंथन भी शुरू हो गया है। जहां भी शहर में चार लोग मिले एक दूसरे से संभावित दावेदारों की जानकारी एक दूसरे से साझा करते हुए नजर आए।छत्तीसगढ़ प्रदेश में नगर निगम, नगर पालिका व नगर पंचायत के चुनाव में अध्यक्ष पद के आरक्षण की प्रक्रिया रायपुर में पूरी की गई।

सिटी बसों के संचालन का कार्ययोजना बताने के लिए शासन ने कोर्ट से मांगा समय

हाईकोर्ट ने 10 दिनों का दिया समय

बिलासपुर,08 जनवरी 2025(ए)। प्रदेश में इंटर सिटी और सिटी बसों के संचालन की स्थिति को लेकर हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान शासन से जवाब मांगा। शासन की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता यशवंत सिंह ने कार्ययोजना तैयार करने के लिए समय मांगा, जिसे हाईकोर्ट ने स्वीकार करते हुए अगली सुनवाई की तारीख 17 जनवरी निर्धारित की है।

सौम्या चौरसिया को मिली जमानत लेकिन नहीं होगी जेल से रिहाई

» काल कोठरी में ही कटेंगी रातें

» सौम्या चौरसिया को मिली कोर्ट से राहत

» आय से अधिक संपत्ति के मामले में जमानत

» 60 दिनों में कोर्ट में चालान नहीं हो पाया पेश

» जमानत मिलने के बाद भी जेल में रहेंगी सौम्या

रायपुर,08 जनवरी 2025(ए)।जेल में बंद सौम्या चौरसिया को बड़ी राहत मिली है। सौम्या चौरसिया को छत्तीसगढ़ स्पेशल कोर्ट ने आय से अधिक संपत्ति मामले में जमानत दी है। सौम्या चौरसिया छत्तीसगढ़ कोल लेवी घोटाले के मामले में जेल में बंद हैं। सौम्या राज्य सेवा की निलंबित अधिकारी हैं। कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में वह सबसे पावरफुल लेडी अधिकारी मानी जाती थीं। वह सीएम ऑफिस में पदस्थ थीं। जानकारी के अनुसार, कोर्ट ने आय से अधिक संपत्ति के मामले इसलिए जमानत दी है कि एंटी करप्शन ब्यूरो ने 60 दिनों में कोर्ट में चालान पेश नहीं किया। सौम्या चौकसिया को आय से अधिक संपत्ति के मामले में जमानत तो मिल गई है लेकिन अभी जेल से उनकी रिहाई नहीं होगी। सौम्या चौरसिया को जेल में ही रहना पड़ेगा। उसके खिलाफ और भी मामले दर्ज हैं। ईओडब्ल्यू और एसीबी ने सौम्या चौरसिया के खिलाफ कोल लेवी घोटाले में भी केस दर्ज किया है। उन्हें अभी इस मामले में जमानत नहीं मिली है जिस कारण से वह जेल में ही रहेंगी।

कई मामलों में रायपुर जेल में बंद सौम्या चौरसिया को एक मामले में कोर्ट से जमानत मिली है। आय से अधिक संपत्ति मामले में निर्धारित समय में चार्जशीट दाखिल नहीं होने पर एसीबी और ईओडब्लू की स्पेशल कोर्ट ने जमानत दे दी है। विशेष अदालत ने 50-50 पचास हजार रुपये के दो सक्षम जमानतदार की शर्त पर जमानत दी है। एसीबी की ओर से श्लोक श्रीवास्तव और मिथिलेश वर्मा ने यह तर्क दिया कि एसीबी के प्रकरण में चार्जशीट दाखिल करने की मियाद 60 दिन बल्कि 90 दिन है। हालांकि कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद जमानत दे दी।

कोयला घोटाले में कई अधिकारी जेल में

छत्तीसगढ़ में कोयला लेवी घोटाले को लेकर राज्य के कई आईएएस अधिकारी जेल में हैं। इस मामले में कोयला कारोबारी सूर्यकांत तिवारी को भी गिरफ्तार किया गया है। बताया जाता है कि वह इस पूरे घोटाले का मास्टरमाइंड है।

ओपन स्कूल के सचिव ने किया रिलीव

» कोर्ट ने बहाली की, कहा...कार्यमुक्त करना नियम विरूद्ध

रायपुर,08 जनवरी 2025(ए)। छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल के सचिव ने उप-सचिव को रिलीव करने आदेश जारी किया, जिसे हाईकोर्ट ने नियमविरूद्ध माना और इस पर स्टे लगा दिया। कोर्ट के निर्णयानुसार डॉ. नवनीता सिंह ने ओपन स्कूल के उपसचिव का पदभार ग्रहण किया। उनकी यह नियुक्ति राज्य शासन के आदेश से हुई थी लेकिन ओपन स्कूल के सचिव ने उन्हें कार्यमुक्त कर दिया।

एचमपीवी वायरस पर छत्तीसगढ़ सरकार अलर्ट

» एचमपीवी वायरस पर स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने कहा...छत्तीसगढ़ में एचमपीवी वायरस के बारे में अभी तक कोई सूचना नहीं मिली है...

रायपुर,08 जनवरी 2025(ए)। चीन के बाद भारतमें भी एचमपीवी वायरस की एंट्री हो चुकी है। सोमवार को भारत में एक ही दिन में पांच एचमपीवी के केस मिलने से हड़कंप मच गया है। इसके खतरे को देखते हुए खुद केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि, इस पर हम कड़ी नजर रख रहे हैं।वहीं एचमपीवी वायरस को लेकर छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि, छत्तीसगढ़ में एचमपीवी वायरस के बारे में अभी तक कोई सूचना नहीं मिली है लेकिन पिछले समय में कोरोना वायरस का अनुभव अच्छा नहीं रहा है और जिस तरह से पूरे देश में हाहाकार मचा था, उसे देखते हुए हमने छत्तीसगढ़ में एहतियात के तौर पर चाहे वो आईसीयू बेड हो या वेंटिलेटर या फिर अलग वार्ड हों, उन सबको हमने चिह्नित किया है। आवश्यकता पड़ने पर ऑक्सीजन सिलेंडर और ऑक्सीजन प्लांटों को तैयार और उनमें सुधार करने के लिए कहा गया हैज्इसके साथ ही हमने विशेषज्ञों की एक टीम भी बनाई है हम इस पर विशेष ध्यान दे रहे हैं लेकिन छत्तीसगढ़ में ऐसी कोई स्थिति नहीं है और आम जनता को घबराने की कोई जरूरत नहीं है।

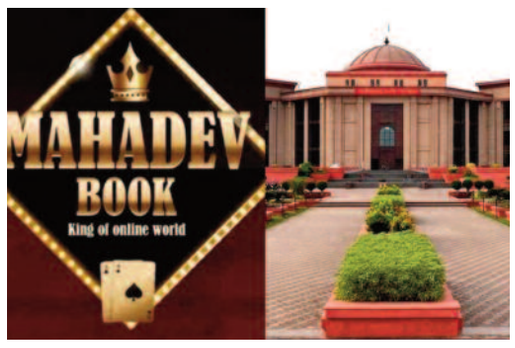

महादेव सट्टा ऐप मामले के आरोपी की जमानत याचिका खारिज

बिलासपुर,08 जनवरी 2025(ए)। हाईकोर्ट ने ऑनलाइन महादेव सट्टा ऐप के आरोपी अमित अग्रवाल का जमानत आवेदन खारिज कर दी है. आरोपी के खिलाफ मोहन नगर थाना सहित देश के विभिन्न थानों में मामला दर्ज है. कोर्ट ने उसके विरुद्ध पर्याप्त साक्ष्य होने के कारण जमानत पर छोड़ने से इनकार कर दिया है. बता दें कि महादेव सट्टा ऐप के प्रमोटर अनिल अग्रवाल के भाई अमित कुमार अग्रवाल को हवाला मामले में एसीबी ने 12 जनवरी 2024 को गिरफ्तार किया है. मामले में मई 2024 को ईडी ने अलग से प्रकरण दर्ज किया है. जेल में बंद आरोपी अमित अग्रवाल ने हाईकोर्ट में दिए आवेदन में कहा कि दर्ज एफआईआर में आवेदक का नाम नहीं है. उसे झूठे मामले में फंसाया गया है. मामले की सुनवाई के बाद जस्टिस रविन्द्र कुमार अग्रवाल ने जमानत आवेदन को खारिज कर दिया है।

भाजपा नेत्री को पुलिस ने भेजा जेल

वायरल वीडियो मामले में हुआ एक्शन

सारंगढ़ (बिलाईगढ़),08 जनवरी 2025(ए)। जातिगत गाली-गलौच करते हुए वीडियो के वायरल होने के बाद आखिरकार भाजपा नेत्री हेमकुँवर को पुलिस ने जेल भेज दिया है. नगर में यही चर्चा थी कि एक तरफ जिला भाजपा अध्यक्ष ज्योति पटेल के नाम की घोषणा होने पर भाजपाई खुशियां मना रहे थे, तो वहीं दूसरी ओर भाजपा नेत्री हेमकुँवर को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल दाखिल करा दिया. दरअसल, चंद रोज पहले भाजपा नेत्री हेमकुँवर अपने क्षेत्र के कार्यों को लेकर जनपद पंचायत पहुंची थी. जहां उनका जनपद कर्मचारी नारद से किसी बात को लेकर तूतू, मै-मै हो गया. दोनों के बीच कहा-सुनी इतनी बढ़ गई कि मामला गाली-गलौच तक जा पहुंचा. वायरल वीडियो में भाजपा नेत्री घटना के लिए उकसाते सुनाई और दिखाई पड़ रहा है. मामले में

जनपद पंचायत के कर्मचारी नारद ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी. मामले की जांच उपरांत पुलिस ने महिला भाजपा नेत्री हेमकुँवर को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड में जेल दाखिल कर दिया. फिलहाल, मामला नगर में चर्चा का विषय बना हुआ है, कि आखिर भाजपा जिला अध्यक्ष की घोषणा के बाद भाजपा नेत्री की गिरफ्तारी और जेल जाना किस तरह का संदेश है.

वक्फ बोर्ड अध्यक्ष सलीम राज को मिला केबिनेट मंत्री का दर्जा

रायपुर,08 जनवरी 2025(ए)। राज्य शासन छत्तीसगढ़ राज्य वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ सलीम राज, को राज्य सरकार ने केबिनेट मंत्री का दर्जा प्रदान किया है. उन्हें केबिनेट मंत्री का दर्जा केवल शिष्टाचार के लिए प्रदान किया गया है. सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय द्वारा जारी यह आदेश तत्काल प्रभाव से प्रभावशील हो गया है। डॉ. सलीम राज ने केबिनेट मंत्री का दर्जा दिए जाने पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, भाजपा के प्रदेश नेतृत्व और शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि मैं इस जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा के साथ निभाने का प्रयास करूंगा। आप सभी के समर्थन और विश्वास के लिए मैं सदैव कृतज्ञ रहूंगा। आपकी प्रेरणा और मार्गदर्शन से हम छत्तीसगढ़ को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे।

मुकेश चंद्राकर हत्याकांड के अपराधिक जगह पर पहुंची एसआईटी कर रही इन पहलुओं पर विशेष जांच

बीजापुर,08 जनवरी 2025 (ए)।छत्तीसगढ़ में बीजापुर जिले के पत्रकार मुकेश चंद्राकर हत्याकांड मामले की जांच करने एसआईटी बुधवार को क्राइम लोकेशन पहुंची है। जिस सेप्टिक टैंक से मुकेश की लाश निकाली गई थी, अब उसका पूरा स्लैब निकाला गया है।एसआईटी की टीम बारीकी से हर एक पहलुओं की जांच कर रही है। इस मामले में पुलिस ने अब तक 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों में 3 मुकेश के चचेरे भाई ही हैं।

बीरगांव में उद्योगों को टैक्स राहत के खिलाफ रिट याचिका खारिज की हाईकोर्ट ने

जनहित याचिका दायर करने की मिली छूट

बिलासपुर,08 जनवरी 2025 (ए)। राजधानी के बीरगांव नगर निगम क्षेत्र में स्थित उद्योगों को टैक्स छूट दिए जाने के खिलाफ दायर रिट याचिका को छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जब तक किसी आदेश या कार्रवाई से याचिकाकर्ता व्यक्तिगत रूप से प्रभावित न हो या उसके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन न हो, तब तक रिट याचिका पर सुनवाई का अधिकार नहीं बनता। कोर्ट ने याचिकाकर्ता को इस मामले में उचित फोरम में जनहित याचिका दाखिल करने की छूट दी है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)